E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 69 | प्रयागराज, गुरूवार 21 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

मेलोनी से मिले मोदी, बोलीं-वेलकम टु रोम, माय फ्रेंड- दोनों नेताओं ने साथ में डिनर किया,कोलोसियम भी घूमे

रोम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को इटली पहुंचे। रोम

पहुंचने के बाद उन्हें पीएम जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि दोनों नेताओं ने साथ में डिनर भी किया। इस दौरान कई अहम मुद्दों पर बातचीत की। इसके बाद मोदी और मेलोनी ने रोम के ऐतिहासिक कोलोसियम का दौरा भी किया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने सोशल मीडिया पर मोदी के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'वेलकम टु रोम, माय फ्रेंड।' पीएम मोदी ने कहा कि आज होने वाली औपचारिक बातचीत में भारत-इटली दोस्ती को और मजबूत करने पर चर्चा जारी रहेगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, एडवांस टेक्नोलॉजी और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत होने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मोदी इटली में कई अहम कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस दौरान वे इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मातारेला से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरे के दौरान भारत और इटली अपने रिश्तों को और मजबूत करते हुए उन्हें 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' का दर्जा देने पर चर्चा कर सकते हैं। दोनों देश आने वाले वक्त में सालाना रेगुलर बैठकें शुरू करने पर भी विचार कर रहे हैं। भारत और इटली के बीच पिछले कुछ सालों में राजनीतिक और आर्थिक रिश्तों में तेजी आई है। दोनों देश रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, विज्ञान और नई तकनीकों के क्षेत्र में लगातार सहयोग बढ़ा रहे हैं। फिलहाल भारत और इटली के बीच व्यापार 14 अरब यूरो (14 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का है। दोनों देश विनिर्माण, ऑटोमोबाइल, मशीनरी, फार्मा, रक्षा और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। इटली के उद्योगपतियों से मिलेंगे पीएम मोदी- पीएम मोदी इटली के बड़े उद्योगपतियों और कारोबारी नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। इस बैठक में निवेश, मैन्युफैक्चरिंग और भारत में नई औद्योगिक पार्टनरशिप पर चर्चा होने की संभावना है। पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी मिडिल-ईस्ट तनाव, रूस-यूक्रेन वॉर, इंडो-पैसिफिक की सुरक्षा, एनर्जी सिक्योरिटी और ग्लोबल सप्लाई चेन पर चर्चा करेंगे।

ट्रम्प बोले- जल्द ही ईरान के साथ युद्ध खत्म होगा, कहा- उन्हें समझौता करना है, परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध बहुत जल्दी खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन अमेरिका उसे परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। व्हाइट हाउस में सांसदों के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा-'हम उस युद्ध को बहुत जल्दी खत्म करने जा रहे हैं। वे समझौता करना चाहते हैं। वे इससे थक चुके हैं।' ट्रम्प ने कहा कि ईरान अब भी परमाणु कार्यक्रम पर ध्यान दे रहा है, लेकिन अमेरिका उसे परमाणु हथियार नहीं बनाने देगा। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी सीनेट में ईरान के खिलाफ युद्ध रोकने से जुड़ा वॉर पावर रेजोल्यूशन आगे बढ़ाया गया है। रिपब्लिकन बहुमत वाली सीनेट ने मंगलवार को उस प्रस्ताव पर आगे बढ़ने के पक्ष में वोट किया, जिसमें कहा गया है कि कांग्रेस की स्पष्ट मंजूरी के बिना राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ युद्ध जारी नहीं रख सकते। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. ट्रम्प ने ईरान पर बड़ा हमला टालाः ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ईरान पर बड़ा हमला करने वाला था, लेकिन फिलहाल उसे रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि कतर, सऊदी अरब और यूएई ने बातचीत को मौका देने के लिए हमला टालने की अपील की

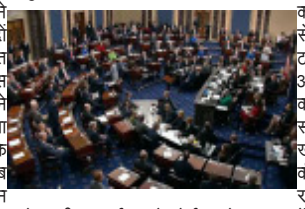

थी। 2. ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर नया कंट्रोल सिस्टम बनायाः ईरान ने पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी बनाकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों के लिए अनुमति अनिवार्य कर दी। ईरान ने कहा कि बिना परमिशन गुजरना अवैध माना जाएगा। 3. ईरान बोला- यूरेनियम संवर्धन पर समझौता नहीं करेंगेः ईरान ने साफ कहा कि यूरेनियम संवर्धन उसका अधिकार है और वह किसी दबाव में नहीं आएगा। राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी कहा कि बातचीत होगी, लेकिन ईरान झुकेगा नहीं। 4. ईरान ने ट्रम्प-नेतन्याहू पर रु500 करोड़ इनाम वाला बिल तैयार कियाः ईरानी संसद में ऐसा बिल लाने की तैयारी है, जिसमें ट्रम्प और नेतन्याहू की हत्या करने वालों को रु500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने का प्रस्ताव है। 5. अमेरिकी नाकेबंदी से ईरानी तेल फंसाः फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी नाकेबंदी के कारण ईरान को समुद्र में खड़े पुराने टैंकरों में तेल स्टोर करना पड़ रहा है। फारस की खाड़ी में ईरानी तेल से भरे टैंकरों की संख्या तेजी से बढ़ी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही है। जिनपिंग ने चेतावनी दी कि अगर लड़ाई नहीं रुकी तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं।

जिनपिंग बोले- ईरान जंग को रोकना जरूरी, दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही, बीजिंग में पुतिन के साथ बैठक की

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी

युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही है। जिनपिंग ने चेतावनी दी कि अगर लड़ाई नहीं रुकी तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। उन्होंने कहा कि लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है। जिनपिंग ने यह बयान बुधवार को बीजिंग में पुतिन के औपचारिक स्वागत के बाद दिया। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल के बाहर दोनों नेता रेड कार्पेट पर साथ चले और सैन्य बैंड ने रूस और चीन के राष्ट्रगान बजाए। चीन और रूस में 40 समझौते साइन होंगे-अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन इस दौरे में बड़े कारोबारी और सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ पहुंचे हैं।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

एक घंटे में ईरान पर हमला करने वाला था,खाड़ी देशों के कहने पर रोका, ईरान समझौते की भीख मांग रहा-डॉनल्ड ट्रम्प

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि वे ईरान पर नए हमले के आदेश

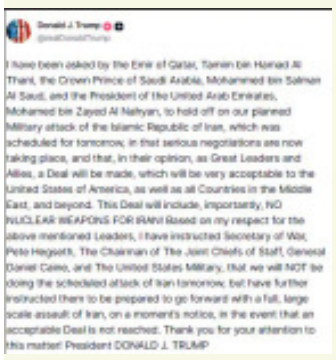

देने के लिए कुछ दिन का समय मांगा था। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान समझौता करने की भीख मांग रहा है और अगर जल्द कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका आने वाले दिनों में फिर हमला कर सकता है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार बनाने की इजाजत नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि नई सैन्य कार्रवाई शुक्रवार, शनिवार, रविवार या अगले हफ्ते की शुरुआत में हो सकती है। ट्रम्प ने सुबह सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ईरान पर हमला रोकने की जानकारी दी थी। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. ट्रम्प की ईरान को धमकी- जल्दी समझौता करो, वरना कुछ नहीं बचेगाः ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि घड़ी तेजी से चल रही है और अगर जल्द समझौता नहीं हुआ तो गंभीर नतीजे होंगे। 2. अमेरिका-इजराइल की ईरान पर नए हमले की तैयारीः रिपोर्ट्स के मुताबिक, जर्मनी स्थित अमेरिकी ठिकानों से हथियार लेकर दर्जनों कार्गो विमान इजराइल पहुंचे हैं। वहीं नेतन्याहू और ट्रम्प ने संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर बातचीत की। 3. होर्मुज में बढ़ा संकट, 1500 कारोबारी जहाज फंसेः ईरान तनाव और समुद्री नाकेबंदी के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में करीब 1,500 कारोबारी जहाज फंसे हुए हैं। इन पर 20 हजार से ज्यादा नाविक मौजूद हैं। एक्सपर्ट्स ने मिसाइल और ड्रोन हमलों का खतरा बताया है। 4. सऊदी अरब पर ड्रोन हमला, कुवैत-कतर ने की निंदाः सऊदी अरब ने दावा किया कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने इराक की दिशा से आए 3 ड्रोन मार गिराए। कुवैत और कतर ने इसे सऊदी संप्रभुता और क्षेत्रीय सुरक्षा पर हमला बताया। 5. ईरान में लड़कियों को एके-47 ट्रेनिंगः अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान में युवा लड़कियों को एके-47 असॉल्ट राइफल असेंबल और डिसअसेंबल करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन सितंबर में भारत आएंगे,ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे, 10 महीने में दूसरा दौरा-मोदी भी इस साल रूस जाएंगे

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसी साल सितंबर में भारत आएंगे। रूसी सरकार ने मंगलवार को कहा कि पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी ने पुतिन को दिसंबर 2025 में उनके भारत दौरे के दौरान आधिकारिक तौर पर समिट में शामिल होने का न्योता दिया था। एक साल के भीतर पुतिन का यह दूसरा भारत दौरा होगा। पीएम मोदी भी इसी साल रूस दौरे पर जाएंगे। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में भारत आए थे। उस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के साथ 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया था। 2025 का दौरा इसलिए भी खास माना गया था, क्योंकि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पुतिन का पहला भारत दौरा था। इससे पहले वह आखिरी बार 2021 में नई दिल्ली आए थे। ब्रिक्स समिट की अध्यक्षता कर रहा है भारत-इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। ब्रिक्स दुनिया की बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है, जिसमें भारत, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई और इंडोनेशिया जैसे नए सदस्य भी शामिल हो चुके हैं। भारत की अध्यक्षता के दौरान पूरे साल देश के अलग-अलग शहरों में कई बैठकें, मंत्रीस्तरीय सम्मेलन और कार्यकारी

समूहों की चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं। भारत ने अपनी अध्यक्षता का फोकस 'ग्लोबल साउथ' यानी विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आतंकवाद विरोधी सहयोग और सप्लाई चेन को मजबूत करने पर रखा है। भारत यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि ब्रिक्स सिर्फ राजनीतिक मंच नहीं, बल्कि व्यापार, निवेश, तकनीक और विकास से जुड़ा बड़ा आर्थिक समूह भी बन सकता है। इस महीने की शुरुआत में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी भारत आए थे। उन्होंने ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में पश्चिम एशिया के तनाव, वैश्विक सुरक्षा, बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार, आतंकवाद और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। भारत ने बैठक के दौरान यह भी कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और ऐसे समय में ग्लोबल साउथ देशों के बीच सहयोग और ज्यादा जरूरी हो गया है। भारत की अध्यक्षता इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि इस समय दुनिया कई बड़े संकटों से गुजर रही है। अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा, रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच ब्रिक्स खुद को पश्चिमी देशों के प्रभाव के मुकाबले एक वैकल्पिक मंच के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। पीएम मोदी भी इसी साल रूस जाएंगे-इससे पहले भारत दौरे पर आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 15 मई को कहा था कि वे पीएम मोदी की रूस यात्रा की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रम्प ने सीरियाई राष्ट्रपति को फिर अपना परफ्यूम भेजा,कहा- पुराना वाला खत्म हो गया होगा

वॉशिंगटन। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने

खुलासा किया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपने ब्रांडेड 'ट्रम्पेड' कोलोन की नई बोतलें भेजी हैं। ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद पिछली बार दी गई खुशबू खत्म हो गई होगी। अल-शरा ने सोशल मीडिया पर दो कोलोन बोतलों की तस्वीर साझा की। इसके साथ ट्रम्प का एक संदेश भी था, जिसमें लिखा था, 'हमारी तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है, जब मैंने तुम्हें यह शानदार कोलोन दिया था। अगर तुम्हारे पास खत्म हो गया हो तो ये रही नई बोतलें।' सीरियाई राष्ट्रपति ने पोस्ट में ट्रम्प को धन्यवाद देते हुए लिखा कि कुछ मुलाकातें गहरी छाप छोड़ जाती हैं और वह उम्मीद करते हैं कि उस मुलाकात की भावना सीरिया और अमेरिका के रिश्तों को और मजबूत करेगी। पिछले साल नवंबर में दोनों नेताओं की मुलाकात का वीडियो भी काफी चर्चा में रहा था। वीडियो में ट्रम्प अल-शरा पर अपना ब्रांडेड कोलोन स्प्रे करते दिखाई दिए थे और बाद में उन्हें वह गिफ्ट कर दिया था। इसी दौरान ट्रम्प ने मजाकिया अंदाज में अल-शरा से पूछा था कि उनकी कितनी पत्नियां हैं। अल-शरा ने हंसते हुए जवाब दिया था कि उनकी सिर्फ एक पत्नी है। इसके बाद ट्रम्प ने मजाक में उनके कंधे पर थपकी दी थी।

फुंक रहा है यूपी का बांदा- तापमान 48.2डिग्री- लगातार तीसरे दिन देश में सबसे गर्म, बिजली कटौती से लोग बेहाल, प्रयागराज में चिलचिलाती गर्मी

प्रयागराज। यूपी का बांदा लगातार तीसरे दिन देश में सबसे

गर्म रहा, यहां तापमान 48.2डिग्री था। यहां बीते दो दिन पारा 46डिग्री तक पहुंचा था। बांदा में 15 मई 2022 को तापमान 49डिग्री रहा था। यह यहां के इतिहास में सबसे ज्यादा था। पूरे यूपी की बात करें तो 22 जिलों में पारा 40डिग्री रहा है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 45.1डिग्री रहा, जो 2 साल में सबसे अधिक था। स्काईमेट के मुताबिक अभी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कमजोर है, कोई वेदर सिस्टम नहीं आ रहा है। शहरों का तापमान 47डिग्री तक जा सकता है। पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात में अगला एक हफ्ता शुष्क रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य भारत के ऊपर विशाल चक्रवात बना हुआ है। इससे हीटवेव चलेगी। वहीं बात अगर प्रयागराज की करें तो यहाँ तापमान 44 से 45 डिग्री बना हुआ हैं। जो की सूरज चढ़ने पर बढ़ता है। गर्मी इतनी चिलचिलाती हुई हैं की अस्पतालों में लाइन लगी हुई हैं शरीर का पूरा पानी पसीने में निकल जा रहा। पानी भी गुनगुना पिने को मजबूर हैं राहगीर। अगले दो दिन के मौसम का हाल-21 मईः- राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा,

दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में हीटवेव चलेगी। यहां रात में भी हीटवेव जैसे हालात रहेंगे। असम, मेघालय, केरल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में बारिश का अनुमान है। 22 मईः-छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में हीटवेव का अलर्ट है। ओडिशा में गर्म और उमस रहेगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 5 दिन तक पूरे प्रदेश में गर्मी रहेगी। आज हीटवेव का 11 जिलों में रेड, 14 जिलों में ऑरेंज और 28 जिलों में यलो अलर्ट है। ज्यादातर जिले लू की चपेट में रहेंगे। 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। दिन का तापमान 44डिग्री से 48डिग्री तक पहुंच सकता है।घर के अंदर रहें। अधिकारी और चिकित्सा विशेषज्ञ दोपहर 12:00 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच घर के अंदर रहने की सलाह देते हैं ताकि सीधे धूप के संपर्क में आने से बचा जा सके। हाइड्रेशनः निर्जलीकरण और लू लगने से बचने के लिए नियमित रूप से पानी, नारियल पानी, छाछ और नींबू पानी का सेवन आवश्यक है।आहारः प्रोटीन से भरपूर मांसाहारी भोजन और किण्वित खाद्य पदार्थों से बचें जो शरीर में गर्मी उत्पन्न करते हैं। इसके बजाय, तरबूज और खीरे जैसे पानी से भरपूर फलों का सेवन करें।

डीआरडीओ द्वारा बनाये स्वदेशीड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल हुआ पूरा,टैंक, हेलिकॉप्टर और दूसरे ड्रोन को निशाना बना सकेगी

नयी दिल्ली। भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) ने ड्रोन से दागी जाने

वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा कर लिया है। इस मिसाइल का नाम यूएलपीजीएम-वी3 है। यह हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के टारगेट पर सटीक हमला कर सकती है। हवा में दुश्मन के हेलिकॉप्टर, ड्रोन और दूसरे हवाई टारगेट को मार गिरा सकती है। वहीं जमीन पर टैंक, सैन्य वाहन और बंकर को निशाना बना सकती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मिसाइल का परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुर्नूल स्थित डीआरडीओ टेस्ट रेंज में किया गया। इसमें इंटीग्रेटेड ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो लॉन्च और कमांड सिस्टम को कंट्रोल करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा यह मिसाइल को बनाने में मिली सफलता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम कदम है। चलते-फिरते टारगेट को भी लॉक कर सकती है-यूएलपीजीएम-वी3 एक स्मार्ट प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल है। इसमें सीकर तकनीक लगी है, जिससे यह टार्गेट को पहचानकर लॉक करती है और फिर सटीक हमला करती है। चलते हुए लक्ष्य को भी ट्रैक कर सकती है।रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसे एंटी-टैंक रोल के लिए भी तैयार किया गया है। साथ ही यह ड्रोन, हेलिकॉप्टर और दूसरे हवाई लक्ष्यों के खिलाफ भी इस्तेमाल की जा सकती है। डीआरडीओ ने भारतीय कंपनियों के साथ तैयार किया-इस मिसाइल को डीआरडीओ के हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) की अगुआई में डेवलप किया गया है। इसके साथ डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी (डीआरडीएल), टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (टीबीआरएल) और हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी भी इस प्रोजेक्ट में शामिल रहीं। प्रोडक्शन के लिए डीआरडीओ ने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की है। ट्रायल में इसे बेंगलुरु की न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज के बनाए यूएवी के साथ टेस्ट किया गया।

किम कार्दशियन के शिपमेंट में 8.4 मिलियन डॉलर के कोकीन की तस्करी, ड्राइवर को जेल

एनसीनो। किम कार्दशियन के क्लोदिंग ब्रैंड 'स्किम्स' के अंडरवियर

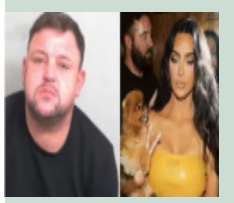

और कपड़ों के शिपमेंट में 8.4 मिलियन डॉलर की कीमत की कोकीन के तस्करी का पर्दाफाश हुआ है। इस मामले में पोलैंड के एक ट्रक ड्राइवर को पकड़ा गया है और उसे 13 साल और छह महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। कोकीन तस्करी का खुलासा खुलासा यूनाइटेड किंगडम के अधिकारियों के मुताबिक, पोर्ट पर जांच के दौरान हुआ। Chelmsford Crown Court ने नैशनल क्राइम एजेंसी (एनसीए) की जांच के बाद 40 साल के Jakub Jan Konkel को सजा सुनाई गई है। इस मामले में उसे नीदरलैंड से 'स्किम्स ब्रांड के कपड़ों के 28 पैलेट ले जा रहे अपने ट्रक में ड्रग्स छिपाने का दोषी पाया गया था। हालांकि ये मामला 5 सितंबर 2025 का है। पिछले साल सितंबर में, उत्तरी पोलैंड के रहने वाले जैकब को एसेक्स के हार्विच पोर्ट पर सीमा बल के अधिकारियों ने उस समय रोक लिया जब वह हुक ऑफ हॉलैंड से एक फेरी से आ रहे थे। उनके इस भारी ट्रक का एक्स-रे किया गया, जिससे उसमें छिपा हुआ और बैन सामान बरामद हुआ। जांच के बाद पता लगा कि ट्रक में मौजूद माल पूरी तरह से वैध था और न तो एक्सपोर्टर और न ही इम्पोर्टर का इन तस्करी किए गए माल से कोई कनेक्शन था। यूएसए टुडे को दिए एक बयान में 'स्किम्स' की तरफ से कहा गया, 'स्किम्स को इस आपराधिक गतिविधि के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। तस्करी के इस अभियान, चालक या ट्रक से हमारा कोई संबंध नहीं था।

प्रयागराज डाकघर से 65 लाख गायब,पोस्टमास्टर ने दी जान,लिखा- मेरी मौत का जिम्मेदार खजांची

प्रयागराज। एनसीआर सूबेदारगंज डाकघर के पोस्टमास्टर ने मंगलवार को फांसी लगाकर जान दे दी। उनकी उम्र 55 साल थी। मौके से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला। जिसमें लिखा था- खजांची सुरेंद्र कुमार मेरी मौत का जिम्मेदार है। उसी ने 65 लाख रुपए का हेरफेर किया है। पुलिस ने खजांची के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया गया है। घटना एयरपोर्ट थाना क्षेत्र की देवप्रयाग कॉलोनी की है। एयरपोर्ट थाना क्षेत्र की देवप्रयाग कॉलोनी में रहने वाले जगदंबा प्रसाद श्रीवास्तव (55) का शव मंगलवार सुबह कमरे में फांसी पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। इस दौरान कमरे में एक सुसाइड नोट मिला जो उनके शव से कुछ दूर पर ही पड़ा था।

सुसाइड नोट में लिखा था- उन्होंने शनिवार को खाताधारकों से जमा रकम खजांची सुरेंद्र कुमार को सौंप दी थी, लेकिन बाद में वह इससे मुकर गए। खुद को निर्दोष बताते हुए मानसिक दबाव में होने की बात लिखी है। यह भी लिखा कि मेरी मौत के लिए खजांची जिम्मेदार है। उसी ने पैसों को लेकर हेरफेर किया है। पुलिस के संपर्क करने पर खजांची सुरेंद्र कुमार का कहना है कि शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे इन्वेंट्री आई, लेकिन तब तक कार्यालय बंद हो चुका था। ऐसे में उन्होंने कैश सोमवार को जमा करने को कहा। रविवार को अवकाश था। सोमवार को कार्यालय खुलने पर रकम नहीं आई तो अधिकारियों को जानकारी दी गई और पोस्टमास्टर से संपर्क किया गया। डाक विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शनिवार को सूबेदारगंज डाकघर में करीब 65 लाख रुपये जमा हुए थे, जिन्हें मुख्य डाकघर भेजा जाना था, लेकिन रकम जमा नहीं हुई। इस पर प्रकरण में जांच शुरू करा दी गई है। प्रयागराज मंडल के अधीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए विभागीय कमेटी गठित कर दी गई है।

प्रयागराज के कराटे खिलाड़ियों ने गोवा में किया धमाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बीते रविवार को गोवा में 24वां टेंशिकन ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप सम्पन्न हुआ। इस चैंपियनशिप में अपने शहर खेल अकादमी 'प्रयागराज कराटे क्लब' के 9वर्ष से 18वर्ष तक के खिलाड़ियों ने मास्टर मिथुन निषाद के नेतृत्व में भाग लिया । गोवा में होने वाली इस प्रतियोगिता में देश भर के विभिन्न प्रदेशों से कराटे खिलाड़ियों की टीमें पहुंची थीं। खेल के इस प्रतियोगिता में कई चरणों कड़ी स्पर्धा के साथ प्रतिभागियों को अन्य प्रदेशों को खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करना था जिसमें प्रयागराज कराटे क्लब के छोटे बड़े सभी खिलाड़ियों ने अन्य टीम ले खिलाड़ियों को मात देते हुए 3 स्वर्ण पदक , 7 रजत पदक, 19 कांस्य पदक प्राप्त करते हुए प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया खिलाड़ियों के नाम और उपलब्धि इस प्रकार है-1.सुनील धवन (36 वर्ष) - स्वर्ण पदक काता में, 2.शांतनु प्रजापति (17 वर्ष) - स्वर्ण पदक कुमिते में, रजत पदक काता में, 3.नचिकेता सिंह (19 वर्ष) - स्वर्ण पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में, 4.शिवम (12 वर्ष) - रजत पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में, 5.राजकुमार कुशवाहा (13 वर्ष) - रजत पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में, 6.अंश शर्मा (13 वर्ष) - रजत पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में, 7.अभिनीत सिंह (18 वर्ष) - रजत पदक कुमिते में, कांस्य पदक काता में, 8.अनुराग सिंह (19 वर्ष) - रजत पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में, 9.यश सिंह (18 वर्ष) - रजत पदक कुमिते में, कांस्य पदक काता में10.प्रिशा (8 वर्ष) - कांस्य पदक कुमिते में, कांस्य पदक काता में, 11.कशिश निषाद (9 वर्ष) - कांस्य पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में, 12.आराध्या जायसवाल (13 वर्ष) - कांस्य पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में, 13.प्रभात कुशवाहा (17 वर्ष) - कांस्य पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में, 14.अभय गुप्ता (24 वर्ष) - कांस्य पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में, 15.आकाश गौर (22 वर्ष) - कांस्य पदक काता में, कांस्य पदक कुमिते में प्राप्त किया। इस बात की जानकारी प्रयागराज कराटे क्लब के संरक्षक रंगकर्मी एवं अभिनेता रमेश कश्यप ने दिया जो गोवा में मौजूद रहे।

राजकीय आईटीआई में 18मई और 19मई को मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड कंपनी द्वारा आयोजित अप्रेंटिसशिप/प्लेसमेंट मेला सकुशल संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज के प्रांगण में दिनांक 18मई और 19मई को अप्रेंटिसशिप /प्लेसमेंट मेले का आयोजन किया गया जिसमें मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड कंपनी द्वारा प्रतिभाग किया गया लिखित/साक्षात्कार के आधार पर (460) बच्चों का चयन किया गया एवं (542) प्रशिक्षार्थी ने प्रतिभाग किया कंपनी के प्रतिनिधि एचआर हेड 'दीपक चौरसिया' के साथ उनकी 10 लोगो की टीम द्वारा प्रशिक्षार्थीयो का चयन किया गया। मेले का उद्घाटन संस्थान के प्रधानाचार्य श्री अशोक कुमार जी द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। साथ में मेला प्रभारी श्री राकेश कुमार शर्मा, श्री अशोक कुमार अप्रेंटिस प्रभारी, श्री अमृत लाल गुप्ता सा0अप्रेंटिस सलाहकार, 'मनोज सिंह' कार्यदेशक, राजदेव प्रजापति अनुदेशक, भोलानाथ, प्रेमशंकर, राजेश कुमार, अरविंद गुप्ता, जगेसर प्रसाद, आंचल पांडे, संजय कुमार कृष्णा, अनुदेशकों ने संपन्न करने में योगदान किया।एव सहायक सुरक्षा प्रभारी 'भूपेंद्र कुमार यादव' का विशेष सहयोग रहा।

इलाहाबाद चेस फेडरेशन के निर्देशन में आयोजित जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता

महर्षि विद्या मंदिर नैनी के अथर्व ने शतरंज में बटोरी सराहना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज स्थित एस.एस. इंटर कॉलेज में इलाहाबाद चेस फेडरेशन के निर्देशन एवं के.सी. फाउंडेशन के संयोजन में आयोजित जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में शहर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का शानदार जमावड़ा देखने को मिला। प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय अंडर-7 विजेता शिवाय सिंह एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कम उम्र में वर्ल्ड चैंपियन बनी अनुप्रिया यादव सहित अनेक राज्य एवं जिला स्तरीय खिलाड़ियों ने सहभागिता की। इस आयोजन में प्रयागराज के दो दर्जन से अधिक प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने अपने विद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इसी क्रम में नैनी स्थित महर्षि विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के कक्षा 8 के छात्र अथर्व श्रीवास्तव ने भी सभी राउंड में भाग लेते हुए अपना आत्मविश्वासपूर्ण प्रदर्शन प्रस्तुत किया। हालांकि उन्हें कोई स्थान प्राप्त नहीं हुआ, लेकिन राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ पहली बार खेलने का अमूल्य अनुभव प्राप्त हुआ तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के शतरंज की बिसात से रूबरू होने का अवसर मिला, जो उनके लिए किसी उपलब्धि से कम नहीं है। उन्होंने अपनी गलतियों से सीख लेकर भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। परिवार एवं विद्यालय प्रबंधन ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए अथर्व के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यमुनापार क्षेत्र में भी इस उपलब्धि को लेकर विशेष उत्साह और गर्व का माहौल है।

पुलिस आयुक्त प्रयागराज के आदेशानुसार मासिक बैठक थाना परिसर करछना सपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पुलिस आयुक्त प्रयागराज के आदेशानुसार जिला सचिव डी.सी.पी.सी प्रयागराज के निर्देशानुसार जिला अपराध निरोधक थाना कमेटी करछना के सदस्यों पदाधिकारियों की मासिक बैठक थन परिसर करछना में प्रभारी निरीक्षक थाना करछना प्रवीण गौतम वेक अध्यक्षता में हुई। बैठक में प्रभारी निरीक्षक व हेड मोहरीर मुकुल कुमार को उत्कृष्ट कार्य के लिए पुष्प माला अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेट कर अभिनंदन किया गया।प्रभारी निरीक्षक महोदय को पुलिस आयुक्त महोदय के आदेशानुसार जन मानस के मध्य शांति सुरक्षा यातायात व्यवस्था अपराध नियंत्रण में कमेटी द्वारा सहयोग को सुदृढ़ बनाने व प्रत्येक माह में एक बार बैठक करवाने और गांव में कोई विवाद होने पर उस गांव के कमेटी सदस्य द्वारा शांति समछौता करवाने में प्रभारी निरीक्षक द्वारा सहयोग लेने के लिए आश्वासन दिया गया। जो कि वीडियो के माध्यम के माध्यम से देखा जा सकता हैं। बैठक में कमेटी द्वारा उत्कृष्ट सहयोग देने वाले सदस्यों को प्रभारी निरीक्षक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बैठक में संजय मिश्रा तहसील कमेटी करछना विनय द्विवेदी एडवोकेट उपाध्यक्ष अधिवक्ता संघ तहसील करछना , डा दिनेश कुमार सोनी संयुक्त सचिव करछना,प्रभु दयाल केशवानी,संतोष गुप्ता ,पंकज गुप्ता,लाल जी कोटार्य,राकेश केसरवानी,महेंद्र पाल, ओम कार गुप्ता,संजीत पांडेय आदि सदस्य गण थाना कमेटी करछना उपस्थित थे। बैठक को सफ़ल बनाने में हेड मोहरीर मुकुल कुमार, आरक्षी मुलेश यादव,थाना करछना का सराहनीय योगदान रहा।

सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली सोइया अमेठी की आपात् कालीन बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली सोइया अमेठी की आपात् कालीन बैठक बुद्ध विहार गंगौली सोइया परिसर में सम्पन्न हुई। पूर्व सूचनानुसार बुद्ध विहार गंगौली सोइया परिसर में आयोजित इस बैठक में पूर्व निर्धारित बिन्दुओं पर चर्चा परिचर्चा की गयी। बैठक में उपस्थित रहे पदाधिकारियों व सदस्यों (कार्यकारिणी व साधारण सभा) में अध्यक्ष श्याम लाल उर्फ भंते धम्म दीप, प्रबंधक सुखदेव उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र, कोषाध्यक्ष रामटहल उर्फ भंते शीलरतन, सचिव रामफल फौजी, नागेश्वर नाथ, रामसमुझ चौधरी, बाबूलाल, रामदेव अमीन, पल्टूराम मास्टर देवता प्रसाद मौर्य के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक गौरीगंज अमेठी, रचयिता : बुद्ध चरित मानस प्रबंध काव्य और महामंत्री भारतीय बौद्ध महासभा उ0 प्र0 शाखा जनपद अमेठी, छोटे लाल व अन्य आदि लोग मौजूद रहे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

राहुल-अतुल की मौत को एक्सीडेंट बताने पर भड़का ब्यौहारी,खाकी का खेल या कत्ल का पर्दाफाश?

सीबीआई जांच के लिए सड़को पर उतरा जनसैलाब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी। जिले के

ब्यौहारी में कानून व्यवस्था और खाकी की नीयत पर फिर दाग लगा है। ग्राम टिहकी के - बीजेपी युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष - राहुल द्विवेदी और उनके साथी - अतुल तिवारी की संदिग्ध मौत को - पुलिस महज एक हादसा बताकर - रफा-दफा करने पर तुली है, जबकि - जनता इसे माफिया राज का खूनी - खेल बता रही है। पुलिसिया लीपापोती के खिलाफ आक्रोशित - अखिल भारतीय ब्राह्मण सेवा - संस्थान और सैकड़ों नागरिकों ने काली पट्टी बांधकर कैंडल मार्च - निकाला और जय स्तंभ चौक पर हुंकार भरते हुए सीबीआई जांच की - मांग की। कत्ल की साजिश या एक्सीडेंट का नाटक-जनता और परिजनों ने पुलिस - की ढीली कार्यशैली की धज्जियां उड़ाते हुए सीधे आरोप लगाए हैं कि दोबारा हुए पीएम को 8 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अंतिम रिपोर्ट आज तक परिजनों को क्यों नहीं सौंपी गई? छत्तीसगढ़ के धमतरी से जिस गाड़ी (सीजी 04 एलएफ 3043) को जब्त करने का दावा किया गया, वह 600 किमी दूर कैसे गई और 7 दिन बाद भी ब्यौहारी थाना क्यों नहीं लाई गई। मृतकों और संदिग्धों के मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन को अब तक क्यों छुपाया जा रहा है? अवैध पशु तस्करी, रेत, कोयला और शराब माफिया के खिलाफ लगातार आवाज उठाने वाले राहुल द्विवेदी को क्या रास्ते से हटाया गया है। पुलिस बिना किसी ठोस वैज्ञानिक जांच के इसे साधारण सड़क दुर्घटना घोषित करने की जल्दी में क्यों है?

माफिया से मिली है पुलिस, चुप हैं जनप्रतिनिधि! ब्राह्मण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष उपाध्याय ने तीखे लहजे में कहा कि ब्यौहारी पुलिस असली हत्यारों को संरक्षण दे रही है और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने रहस्यमयी चुप्पी साध रखी है।

आक्रोशित जनता ने तहसीलदार राजकुमार रावत को मुख्यमंत्री, गृहमंत्री और डीजीपी के नाम ज्ञापन सौंपकर 5 सूत्रीय मांगें रखी हैं। संगठन की दो टूक चेतावनी-मामले की तत्काल सीबीआई जांच हो, लापरवाही बरतने वाले पुलिस अफसरों को सस्पेंड किया जाए और पीड़ित परिवारों को 50-50 लाख का मुआवजा व सरकारी नौकरी मिले। अगर 7 दिन में सीबीआई जांच मंजूर नहीं हुई, तो पूरा ब्यौहारी बंद होगा और उग्र आंदोलन की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ब्यौहारी से दुर्गेश कुमार गुप्ता

डाक सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं डाककर्मियों को पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गांधीनगर। भारतीय डाक विभाग

की दूरदर्शिता और 'डाक सेवा - जन सेवा' के अनुरूप कार्यशैली ने ग्रामीण व सुदूर क्षेत्रों तक इसकी विश्वसनीय सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित कर इसे जनता के बीच एक प्रमुख और प्रभावशाली संस्था के रूप में स्थापित किया है। 'डिजिटल इंडिया' और 'वित्तीय समावेशन' की संकल्पनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए डाक विभाग प्रतिबद्ध है, ताकि प्रत्येक नागरिक को सुगम, सुरक्षित और भरोसेमंद सेवाएँ उपलब्ध हो सकें। उक्त उद्गार उत्तर गुजरात परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने 19 मई, 2026 को अहमदाबाद में आयोजित मण्डलाध्यक्षों एवं उपमंडलाध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा बैठक और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उत्कृष्टता सम्मान वितरण के दौरान व्यक्त किये। इस दौरान उत्तर गुजरात के अधीन 08 जिलों के डाकघरों में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 100 से ज्यादा डाककर्मियों को सम्मानित किया गया। पोस्टमास्टर जनरल ने डाक सेवाओं और इनकी अद्यतन विशेषताओं को सहेजती गुजराती भाषा में एक बुकलेट भी इस अवसर पर जारी की। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रवर अधीक्षक डाकघर, अहमदाबाद सिटी मंडल श्री चिराग मेहता को सर्वोच्च समग्र राजस्व उपलब्धि एवं वृद्धि प्रतिशत, डाकघर बचत बैंक नेट एडिशन, ग्रामीण डाक जीवन बीमा में सर्वोच्च वृद्धि प्रतिशत, पार्सल में सर्वोच्च राजस्व उपलब्धि एवं वृद्धि प्रतिशत, अधिकतम आधार ट्रांजैक्शन तथा स्पीड पोस्ट/पार्सल में डी0 डिलीवरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। प्रवर रेलवे डाक अधीक्षक, अहमदाबाद मंडल श्री पीयूष राजक को नागरिक केंद्रित सेवाएँ श्रेणी में सर्वोच्च वृद्धि प्रतिशत दर्ज करने पर सम्मानित किया। गांधीनगर मंडल के प्रवर डाक अधीक्षक श्री शिशिर कुमार को मेल ऑपरेशन श्रेणी में सर्वोच्च वृद्धि प्रतिशत और डाकघर बचत बैंक नेट एडिशन श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया। सुश्री मंजुलाबेन पटेल को साबरकांठा मंडल में डाकघर बचत बैंक नेट एडिशन श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया। श्री अल्पेश शाह को अहमदाबाद जीपीओ में सर्वोच्च समग्र राजस्व उपलब्धि प्रतिशत तथा पार्सल श्रेणी में सर्वोच्च राजस्व उपलब्धि प्रतिशत प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। श्री हर्षद परमार को पाटन मंडल में डाकघर बचत बैंक श्रेणी तथा डाक जीवन बीमा में सर्वोच्च वृद्धि प्रतिशत दर्ज करने एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा में सर्वोच्च राजस्व उपलब्धि प्रतिशत प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। श्री राजेन्द्रपुरी गोस्वामी को बनासकांठा मंडल में डाक जीवन बीमा और मेल ऑपरेशन श्रेणी में सर्वोच्च राजस्व उपलब्धि प्रतिशत दर्ज करने एवं इंटरनेशनल मेल्स में सर्वोच्च राजस्व उपलब्धि प्रतिशत एवं वृद्धि प्रतिशत प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। श्री सिराज मन्सुरी को महेसाणा मंडल में डाकघर बचत बैंक श्रेणी में सर्वोच्च राजस्व उपलब्धि प्रतिशत प्राप्त करने पर सम्मानित किया। श्री पी.जे. सोलंकी को नवरंगपुरा प्रधान डाकघर और श्री डी.एम. राठोड को गांधीनगर प्रधान डाकघर में सर्वाधिक व्यवसाय अर्जन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए टॉप परफॉर्मर के रूप में सम्मानित किया गया। समीक्षा बैठक के दौरान पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव के समक्ष विभिन्न मंडलों के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की प्रस्तुति दी गई, जिन पर विस्तार से चर्चा एवं विश्लेषण किया गया। समीक्षा के दौरान भविष्य की प्राथमिकताओं के अनुरूप निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति तथा व्यवसायिक वृद्धि को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उत्साह, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

नवीन आवेदन केवल ऑनलाइन ही किए जाए स्वीकार:डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने बताया है कि शासन

के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत आवेदनों की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, सुगम एवं त्वरित बनाने के उद्देश्य से योजना का आधिकारिक पोर्टल https://mbsyup.in दिनांक 19 मई 2025 से पूर्ण रूप से लाइव (सक्रिय) हो गया है। उक्त के क्रम में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत प्राप्त होने वाले समस्त नवीन आवेदन अब अनिवार्य रूप से केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। किसी भी दशा में कार्यालय/ब्लॉक स्तर पर कोई भी आवेदन ऑफलाइन स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि कोई आवेदक कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन लेकर आता है, तो उसे योजना के ऑनलाइन पोर्टल की जानकारी देते हुए ऑनलाइन आवेदन कराने हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। उन्होंने समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत इस व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें, तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भी इस संबंध में सचेत कर दें।

एफआरयू बछरावां में रक्तदान शिविर आयोजित,नौ लोगों ने किया रक्तदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। फर्स्ट रेफरल यूनिट

(एफआरयू) बछरावां में रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से बुधवार को अधीक्षक डॉ. अर्पिता श्रीवास्तव

की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. दीपमाला, प्रमोद, विकास, ललित चौधरी, अमर सिंह, मुकेश, गजेंद्र, रणवीर, ताहिर सहित कुल 9 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी डी.एस. अस्थाना ने बताया कि रक्तदान एक महादान है, जिससे गंभीर रूप से जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि प्रसव के दौरान कई बार अत्यधिक रक्तस्राव (पोस्टपार्टम हेमरेज) या एनीमिया की स्थिति में गर्भवती महिलाओं को तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ती है, ऐसे में हर मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। समय पर रक्त उपलब्ध कराकर जच्चा और बच्चा दोनों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि एफआरयू (एफआरयू) पर ब्लड स्टोरेज यूनिट (बीएसयू) की सुविधा उपलब्ध है, जिससे आपात स्थिति में रक्त की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित होती है। उन्होंने लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की तथा रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने पर जोर दिया। इस अवसर पर जिला अस्पताल की टीम से यासीन, डॉ. साक्षी, डॉ. शिवांगी, डॉ. दीपेंद्र सिंह, राजेंद्र चौधरी, शालिनी, दीपिका, कामता तथा सीएचसी बछरावां से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश यादव, सहायक शोध अधिकारी छत्रसाल मिश्र, बीपीएम धर्मेंद्र सिंह एवं आलोक अवस्थी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शाखा डलमऊ ईकाई की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। कार्यक्रम के

आयोजक श्री सत्येश सिंह जी ने आए हुए सभी शिक्षकों का स्वागत किया एवं उन्होंने शिक्षकों को विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया कि इतनी भीषण गर्मी होने के बावजूद शिक्षक अपने कर्तव्य से डिगा नहीं और संगठन के प्रति आस्था रखते हुए समस्त शिक्षकों ने हीट वेव को भी दरकिनार कर दिया। आज उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई डलमऊ का अत्यंत ही ऐतिहासिक दिन रहा शिक्षकों ने बड़ी ही आत्मीयता के साथ आदरणीय श्री कीर्ति मनोहर शुक्ला जी के संयोजक पद को स्वीकार किया एवं सह संयोजक के रूप में श्री सत्येश सिंह जी प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय कटघर एवं श्री अभिषेक मिश्रा जी को सहसंयोजक के रूप में सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष एवं जिला कार्य समिति के फैसले को आज डलमऊ ब्लॉक के शिक्षकों ने उसमें अपनी मोहर लगाई। आज इकाई बैठक में बड़ी संख्या में अधिक से अधिक शिक्षक शिक्षिकाओं ने बड़े ही जोशो खरोश के साथ बैठक में प्रतिभाग किया। संघर्ष समिति के अध्यक्ष श्री अनुज त्रिवेदी की भी उपस्थिति भी अति विशिष्ट रही-श्री कीर्ति मनोहर शुक्ला जी ने कहा कि हमारे एक बुलावे पर ब्लॉक के अधिक से अधिक शिक्षकों ने जो आज संगठन की बैठक में प्रतिभाग किया इसका मैं आजीवन ऋणी रहूंगा और डलमऊ ब्लॉक के एक एक शिक्षक के किसी भी कार्य को ब्लॉक से लेकर जिला स्तर तक करवाने के लिए संकल्पित रहूंगा। श्री सत्येश सिंह ने संगठन के प्रति निष्ठा के 28 वर्षों को याद किया कि समय कैसा भी रहा हो लेकिन मैं संगठन के प्रति सदैव निष्ठावान रहा। डलमऊ ब्लॉक के वरिष्ठ एआरपी वीरेन्द्र बहादुर सिंह जी ने कहा कि यदि पूर्व में जब जिलाध्यक्ष जी एवं जिला कार्यसमिति के फैसले को लोगों ने सहर्षता से स्वीकार किया तो वर्तमान में भी शीर्ष इकाई के नेतृत्व परिवर्तन के निर्णय को हम सभी शिक्षकों को स्वीकार करना चाहिए। आज की बैठक में एआरपी धर्मेन्द्र यादव,डलमऊ ब्लॉक की महिला अध्यक्ष अनामिका तिवारी जी,पूर्व एआरपी मधु सिंह जी ,पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष श्री राम प्रसाद जी, रचना दीक्षित,सूर्य प्रताप सिंह,नंद कुमार जी, केशव कुमार सिंह,रामेश्वर त्रिवेदी, शशिकेश यादव, शिव कुमार दीक्षित, विजय बहादुर, महेंद्र कुमार यादव, आशीष यादव,राजकुमार, नीलम सिंह, सीमा सिंह, सरोज कुमारी, मनमीत कौर, मुरव्वत अली, अंकिता श्रीवास्तव, पुष्पा सिंह, रेखा सिंह,सत्येंद्र कुमार,संतोष कुमार,प्रभंजन मिश्रा, सर्वेश कुमार बाजपेई,ताराचंद्र,महेंद्र सिंह,पूनम जी,देव शरण सिंह,मानस यादव,कुलदीप,शशिकांत मिश्रा, अमित कुमार बाजपेई,कंचन पाण्डेय,कनक मिश्रा,प्राची श्रीवास्तव,संतोष मौर्य,अनुज कुमार,सत्येंद्र रावत,नरेंद्र कुमार,नीरज यादव, आशीष बाजपेई,कलमेश सिंह, अम्बरीष सिंह,समेत सैकड़ो शिक्षक शिक्षकाएं मौजूद रहे। आज संगठन की बैठक का सबसे सुखद दृश्य यह रहा कि संगठन में स्वजाति ,सर्वधर्म के शिक्षकों की उपस्थिति रही अभी तक संगठन पर यह जो मिथ्या आरोप लगता रहा है कि संगठन में एक वर्ग के लोगों को विशेषाधिकार हैं वह आज टूट गया। संगठन के समस्त शिक्षकों ने हुंकार भरते हुए कहा कि निकट भविष्य में वे ब्लॉक इकाई को मजबूत करने का कार्य करते रहेंगे और डलमऊ ब्लॉक इकाई को रायबरेली की सबसे मज़बूत इकाई बनाने का कार्य करेंगे।

स्वरूपरानी अस्पताल में वकीलों और डॉक्टरों में मारपीट-चक्का जाम

प्रयागराज। प्रयागराज के स्वरूपरानी अस्पताल में बुधवार सुबह डॉक्टरों और वकीलों के बीच जमकर हंगामा हो गया। एक घायल महिला अधिवक्ता को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। इसी दौरान इलाज को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते धक्का-मुक्की और मारपीट में बदल गई। मारपीट की घटना के विरोध में हाईकोर्ट के वकीलों का गुस्सा फूट पड़ा। वकीलों ने हाइकोर्ट के पास फ्लाईओवर पर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। वकीलों के सड़क पर उतरने से शहर में भीषण जाम के हालात हो गए। फ्लाईओर के साथ ही नवाब यूसुफ रोड, सिविल लाइंस, खरबंदा चौराहा, दमकल घर चौराहा, जानसेनगंज, लीडर रोड, हीवेट रोड, प्रयागराज जंक्शन आदि इलाकों में भीषण जाम लग गया। करीब दो घंटे से इन इलाकों में वाहनों की कतार लगी है। पुलिस अधिकारी वकीलों का समझा रहे हैं। वहीं रूट डायवर्ट कर वाहन निकाले जा रहे हैं।

सांसद राहुल गांधी ने केमिस्टों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं, लोकसभा में मुद्दा उठाने का दिया आश्वासन

जिलाधिकारी को सौंपा मांग-पत्र, दवा व्यवसाइयों ने दुकानें बंद कर जताया विरोध

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स उत्तर प्रदेश एवं ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के प्रतिनिधिमंडल ने रायबरेली के सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात कर औषधि व्यापार एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मुद्दों पर विस्तृत मांग-पत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने ई-फार्मेसी, ऑनलाइन दवा बिक्री, अनियंत्रित डिस्काउंट नीति तथा स्वतंत्र केमिस्टों के सामने उत्पन्न संकट को प्रमुखता से उठाया। सांसद राहुल गांधी ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता एवं ध्यानपूर्वक सुना तथा कहा कि दवा व्यापार केवल व्यवसाय नहीं बल्कि जनता के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। उन्होंने आश्वासन दिया कि केमिस्टों की समस्याओं एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को लोकसभा में प्रमुखता से उठाया जाएगा तथा संबंधित मंत्रालयों के समक्ष प्रभावी कार्रवाई हेतु बात की जाएगी। साथ ही उन्होंने केमिस्ट एसोसिएशन को न्याय दिलाने और छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि देशभर में बिना प्रभावी नियमन के संचालित हो रहे ऑनलाइन दवा प्लेटफॉर्म्स के कारण रोगी सुरक्षा मानकों का उल्लंघन हो रहा है। बिना चिकित्सकीय पर्चे के दवाओं की बिक्री, एंटीबायोटिक्स एवं नशीली दवाओं की अनियंत्रित उपलब्धता तथा नकली एवं एक्सपायरी दवाओं के वितरण का खतरा लगातार बढ़ रहा है। संगठन ने कहा कि इससे जनस्वास्थ्य पर गंभीर संकट उत्पन्न हो रहा है। मांग-पत्र में अधिसूचना जी.एस.आर.-817(ई) दिनांक 28 अगस्त 2018 तथा कोविड-19 काल में जारी जी.एस.आर.-220(ई) दिनांक 26 मार्च 2020 को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग भी की गई। संगठन का कहना है कि इन अधिसूचनाओं के कारण पारंपरिक दवा व्यापार प्रभावित हुआ है तथा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स के कई महत्वपूर्ण प्रावधान कमजोर पड़ गए हैं। केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष बाल जी त्रिपाठी ने कहा कि 'स्वतंत्र केमिस्ट देश की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था की रीढ़ हैं। यदि ऑनलाइन कंपनियों की मनमानी पर रोक नहीं लगी तो छोटे और मध्यम स्तर के केमिस्टों का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, जिसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा।'महामंत्री संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि 'राहुल गांधी जी ने हमारी समस्याओं को गंभीरता से सुना और न्याय दिलाने का भरोसा दिया। हमें विश्वास है कि संसद और सरकार के स्तर पर इस विषय पर सकारात्मक पहल होगी।इस दौरान जीतेश श्रीवास्तव, बाबी बाजपेई, संदीप जैन, सुवीर मिश्रा, अंचल अग्रवाल, भोले मिश्रा, पंकज अग्रवाल, सुधीर सिंह, सत्यांशु दुबे, दिनेश सिंह, गिरजेश मिश्रा, भीमसेन राजपाल, सुब्बी मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, खलिहान एवं रामलीला मैदान की भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी के निर्देश

के क्रम में तहसील घोरावल के उप जिलाधिकारी श्री आशीष त्रिपाठी द्वारा ग्राम ओदार, परगना बड़दर स्थित सार्वजनिक भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए कब्जा हटवा दिया गया। उक्त प्रकरण में ग्राम निवासी कुसुम देवी द्वारा तहसील दिवस में जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर खलिहान एवं रामलीला मैदान की भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को हटवाने की मांग की गई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके क्रम में उप जिलाधिकारी के नेतृत्व में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर आराजी संख्या 220, 222 एवं 224 की खलिहान भूमि तथा आराजी संख्या 221 एवं 223 की रामलीला मैदान की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस बल, राजस्व कर्मी, ग्राम प्रधान एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक एवं सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सेव फ्यूल अपील- राज्य मंत्री संजीव गोंड़ सरकारी बस से रेणुकूट पहुंचे,सुनीं जनसमस्याएं

सोनभद्र। प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री एवं ओबरा विधायक संजीव सिंह गोंड़ बुधवार को सरकारी बस से रेणुकूट

पहुंचे। उन्होंने डाला से अनपरा तक बस यात्रा की और इस दौरान आम लोगों व कार्यकर्ताओं से संवाद किया। मंत्री के बस स्टैंड पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत और माल्यार्पण किया। पत्रकारों से बात करते हुए राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड़ ने कहा कि प्रदेश इस समय कई चुनौतियों से गुजर रहा है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों को जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना चाहिए। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय भ्रमण के लिए उन्हें रेणुकूट और अनपरा जाना था, इसलिए उन्होंने सरकारी बस से यात्रा करने का निर्णय लिया। इसका उद्देश्य आम नागरिकों की भावनाओं और समस्याओं को करीब से समझना था। मंत्री ने कहा कि बस यात्रा के दौरान उन्हें लोगों से सीधे संवाद करने का अवसर मिला। यात्रियों ने उनसे क्षेत्र की समस्याओं, परिवहन व्यवस्था और अन्य जनसुविधाओं पर चर्चा की। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार जनता की समस्याओं के समाधान और योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेणुकूट बस स्टैंड पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों की भारी भीड़ मौजूद थी। कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत-मंत्री ने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत हैं और वे जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हरिराम शाह, चाँद प्रकाश जैन, राकेश पांडेय, प्रदीप सिंह रानू, सुनील दुबे, राज वर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में मेडिकल स्टोर बंद,विक्रेताओं ने तत्काल रोक लगाने की मांग की

सोनभद्र। रेणुकूट में बुधवार को सभी मेडिकल स्टोर एक

दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के तहत बंद रहे। दवा दुकानदारों ने ऑनलाइन माध्यम से हो रही दवाओं की बिक्री के विरोध में यह आंदोलन किया। यह हड़ताल ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट तथा ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के आह्वान पर आयोजित की गई थी, जिसमें जिले भर के दवा विक्रेताओं ने भाग लिया। दवा व्यापारियों ने आरोप लगाया कि बिना किसी स्पष्ट वैधानिक प्रावधान के ऑनलाइन दवाओं की बिक्री की जा रही है। उनका कहना था कि फर्जी ई-प्रिस्क्रिप्शन, बिना वैध चिकित्सकीय परामर्श के घर-घर दवा वितरण और भारी छूट जैसी गतिविधियां मरीजों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। व्यापारियों के अनुसार, इस अनियंत्रित बिक्री से देशभर के लाखों लाइसेंसधारी छोटे केमिस्ट और दवा व्यापारियों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2018 में केवल जनमत आमंत्रित करने के उद्देश्य से जारी अधिसूचना अब अप्रासंगिक हो चुकी है। कोविड महामारी के दौरान जारी किए गए विशेष प्रावधानों की आवश्यकता केवल आपातकालीन परिस्थितियों में थी, लेकिन वर्तमान में सामान्य परिस्थितियों में भी विभिन्न ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और ई-कॉमर्स कंपनियां इसका दुरुपयोग करते हुए अनियंत्रित होम डिलीवरी कर रही हैं। दवा विक्रेताओं ने बताया कि इस संबंध में समय-समय पर केंद्र सरकार और संबंधित प्राधिकरणों को प्रमाण सहित शिकायतें दी गईं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने मांग की कि अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री तत्काल बंद की जाए। इसके अतिरिक्त, बिना सत्यापित ई-प्रिस्क्रिप्शन के दवाओं की बिक्री और होम डिलीवरी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा ऑनलाइन दवा बिक्री से जुड़े जारी सर्कुलर को वापस लेने की भी मांग की गई। व्यापारियों ने ऑनलाइन कंपनियों द्वारा दी जा रही अत्यधिक छूट नीति पर भी रोक लगाने की अपील की। हड़ताल के दौरान वेद प्रकाश सिंह, सुशील कुमार, अब्दुल कादरी, रवि मौर्य, राजेश कुमार, तेज प्रताप, योगेंद्र शर्मा, दिलीप सिंह, केपी सिंह, आदित्य शुक्ला, सत्येंद्र कुमार, बीके मलिक और राजू शाह सहित बड़ी संख्या में दवा व्यापारी मौजूद रहे।

गर्मी का प्रकोप जारी, धदक्ति देह के साथ जनजीवन प्रभावित,तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार

सोनभद्र। सोनभद्र जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। पिछले दो दिनों से तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। आसमान से बरस रही आग और गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सुबह से ही तेज धूप का असर दिखाई देने लगता है और दोपहर होते-होते सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है। लोग केवल आवश्यक कार्य होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। दोपहर के समय अधिकांश बाजारों में चहल-पहल कम देखी जा रही है, जबकि शीतल पेय, जूस, बेल का शरबत और आइसक्रीम की दुकानों पर भीड़ बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी गर्म हवाओं और उमस के कारण लोग परेशान हैं। मौसम विज्ञान केंद्र चुर्क

के प्रेक्षक राजन सिंह ने बताया कि बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 43.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को अधिकतम पारा 43.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 26.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। वहीं, सोमवार को न्यूनतम पारा 26.9 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जिला प्रशासन ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गयी है। इसके साथ ही, अधिक मात्रा में पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और बच्चों एवं बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, फिलहाल गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना जताई जा रही है।

आशा वर्कर्स यूनियन का प्रदर्शन-मानदेय के भुगतान समेत कई मांगों पर मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

सोनभद्र। आशा वर्कर्स यूनियन ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अपनी लंबित भुगतान की मांगों को लेकर प्रदर्शन

किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। यूनियन ने सरकार पर समझौते के बावजूद मांगों को लंबित रखने का आरोप लगाते हुए आक्रोश व्यक्त किया। यूनियन पदाधिकारियों ने बताया कि 6 फरवरी 2026 को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के साथ हुई वार्ता में 13 सूत्रीय मांग पत्र पर सहमति बनी थी। इस दौरान कई मांगों को पूरा करने का लिखित आश्वासन भी दिया गया था। हालांकि, 60 दिन से अधिक समय बीत जाने के बाद भी दूसरे चरण की वार्ता नहीं बुलाई गई है। संगठन सचिव जानकी देवी ने जानकारी दी कि वर्षों से विभिन्न स्वास्थ्य अभियानों में योगदान देने के बावजूद आशा कार्यकर्ताओं को उनका पारिश्रमिक और प्रोत्साहन राशि नहीं मिल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा घोषित कई भुगतानों को लंबित रखा गया है। जानकी देवी के अनुसार, आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाने के कार्य में वर्ष 2018 से लगी आशा कर्मियों को अब तक कोई भुगतान नहीं मिला है। वहीं, जुलाई 2019 से दिसंबर 2021 तक राज्य वित्त से घोषित 750 रुपये मासिक की 28 माह की प्रोत्साहन राशि भी लंबित है। कोविड-19 के दौरान घोषित प्रति माह 1000 रुपये की राशि का भी अधिकांश भुगतान नहीं किया गया है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुष्ठ रोग, टीबी, दस्तक और संचारी रोग अभियान सहित कई कार्यक्रमों में लगातार काम लेने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। आभा आईडी निर्माण कार्य में 1 जनवरी 2023 से योगदान लिया गया, लेकिन भुगतान के समय केवल वर्ष 2024 का आंशिक भुगतान किया गया। यूनियन ने इसे आशा कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय बताया। जानकी देवी ने बताया कि 4 फरवरी 2026 को वर्ष 2024-25 की लंबित प्रोत्साहन राशियों के भुगतान हेतु 1090 करोड़ रुपये का आवंटन जारी किया गया था। इसके बावजूद, अधिकांश आशा कर्मियों को अब तक यह धनराशि नहीं मिली है। जहां भुगतान हुआ भी है, वहां भारी अनियमितताओं और अवैध वसूली की शिकायतें सामने आई हैं। इस प्रदर्शन में कलावती, सुमन, बिंदु, शकुंतला, मनकी, रेखा पटेल, बुधनी, नेहा, सजावती, अनिशा, निरुपमा, चन्दा, सरोज, पुष्पा, अंजनी, कंचन, सुनीता, सरिता, सविता सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

गर्मियों के लिए वर्कआउट सेफ्टी टिप्स, इन संकेतों को न करें इग्नोर, बरतें 11 जरूरी सावधानियां, समझे एक्सपर्ट की बात

नयी दिल्ली। गर्मियों में फिटनेस रूटीन बनाए रखना चैलेंजिंग होता है। इस दौरान पसीना ज्यादा आता है, जल्दी थकान होती है और डिहाइड्रेशन का रिस्क बढ़ जाता है, जिससे वर्कआउट मुश्किल होता है। कुछ लोग इस वजह से एक्सरसाइज अवॉइड करते हैं, जबकि कुछ बिना सावधानी के वर्कआउट करते हैं। इससे सेहत को नुकसान हो सकता है। ऐसे में वर्कआउट का समय, तरीका और डाइट को मौसम के हिसाब से एडजस्ट करना जरूरी है। सही जानकारी और छोटी-छोटी सावधानियों से हम गर्मियों में भी फिट और एनर्जेटिक रह सकते हैं। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज बात गर्मियों में सुरक्षित वर्कआउट टिप्स की। साथ ही जानेंगे कि- गर्मी में वर्कआउट करने का सही समय क्या है? गर्मी में वर्कआउट के दौरान क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट डॉ. नरेंद्र कुमार सिंगला, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली व डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइडटुडे जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से -सवाल- गर्मी में वर्कआउट करने का सही समय क्या है? जवाब- गर्मियों में वर्कआउट का सही समय सुबह 5 से 8 बजे या शाम 6 बजे के बाद होता है। इस समय तापमान कम होता है, जिससे शरीर पर ज्यादा स्ट्रेस नहीं पड़ता। सुबह का वर्कआउट फ्रेशनेस देता है, जबकि शाम का वर्कआउट दिनभर की थकान कम करता है। दोपहर में वर्कआउट करने से बचना चाहिए, क्योंकि इस दौरान गर्मी अपने चरम पर होती है, जिससे हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन व हीट स्ट्रोक का रिस्क कई गुना बढ़ जाता है। सवाल- दोपहर के समय वर्कआउट करना रिस्की क्यों हो सकता है? जवाब- गर्मियों में दोपहर के समय तापमान ज्यादा होता है, जिससे शरीर जल्दी ओवरहीट हो जाता है। इससे हीट स्ट्रोक, चक्कर, उल्टी और कमजोरी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पसीना ज्यादा निकलने से शरीर में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी भी हो सकती है, जो गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। इसलिए गर्मियों में दोपहर के समय वर्कआउट अवॉइड करना चाहिए। सवाल- गर्मी के मौसम में वर्कआउट शेड्यूल क्या होना चाहिए? जवाब- गर्मी में वर्कआउट शेड्यूल फ्लेक्सिबल होना चाहिए। इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। जैसेकि- सुबह या शाम के समय ही वर्कआउट करें। हफ्ते में 4-5 दिन वर्कआउट करें। 30-45 मिनट का सेशन रखें। हल्का कार्डियो (वॉक, जॉगिंग) शामिल करें। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग (मसल्स स्ट्रेंथ) और स्ट्रेचिंग (फ्लेक्सिबिलिटी) का संतुलन रखें। बीच-बीच में ब्रेक लें। 1-2 दिन रेस्ट/रिकवरी के लिए रखें। सवाल- क्या गर्मी में वर्कआउट का ड्यूरेशन कम होना चाहिए? जवाब- हां, गर्मियों में वर्कआउट का समय थोड़ा कम रखना बेहतर है। 30-45 मिनट का सेशन पर्याप्त है। ज्यादा देर तक वर्कआउट करने से शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) और थकान हो सकती है। इसलिए ड्यूरेशन से ज्यादा क्वालिटी पर ध्यान दें। सवाल- गर्मी में वर्कआउट के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- गर्मियों में वर्कआउट करते समय शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखना जरूरी है। धीरे-धीरे शुरुआत करें और हाई इंटेंसिटी वर्कआउट से बचें। सेफ्टी टिप्सः-सुबह या शाम को करें। खाली पेट वर्कआउट न करें। ठंडी जगह पर करें। बीच-बीच में पानी पिएं। हल्का / ब्रीदेबल कपड़ा पहनें। इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक लें। हाई इंटेंसिटी वर्कआउट न करें। बीच-बीच में ब्रेक लें। असहज लगे तो रुक जाएं। सवाल- गर्मियों में वर्कआउट से पहले और बाद में क्या खाना-पीना चाहिए? जवाब- वर्कआउट के दौरान शरीर जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है, इसलिए सही खानपान बहुत जरूरी है। वर्कआउट से पहले हल्का, आसानी से पचने वाला और एनर्जी फूड लें, ताकि शरीर एक्टिव रहे। वहीं वर्कआउट के बाद शरीर को रिकवर करने के लिए प्रोटीन और हाइड्रेशन पर फोकस करें। वर्कआउट से आधे घंटे पहले 1 मीडियम साइज केला और 4-5 भीगे बादाम खाना फायदेमंद है। गर्मियों में लो-इंटेंसिटी वर्कआउट चुनने चाहिए और हाई इंटेंसिटी वर्कआउट से बचना चाहिए। सवाल- गर्मियों में हाई इंटेंसिटी वर्कआउट क्यों नहीं करना चाहिए? जवाब- हाई इंटेंसिटी वर्कआउट से शरीर का तापमान तेजी से बढ़ता है, जिससे ओवरहीटिंग का रिस्क हो सकता है। इस दौरान पसीना ज्यादा होता है, जिससे शरीर में डिहाइड्रेशन, चक्कर, हीट एग्जॉशन, हीट स्ट्रोक और मसल्स में ऐंठन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हाई इंटेंसिटी एक्सरसाइज से हार्ट पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और जल्दी थकान हो जाती है। इसलिए गर्मी में लो इंटेंसिटी वर्कआउट करना चाहिए। सवाल- गर्मी में किस तरह के कपड़े पहनकर वर्कआउट करना चाहिए? जवाब- वर्कआउट के लिए हल्के, ढीले और ब्रीदेबल कपड़े पहनें। डार्क कलर की बजाय हल्के रंग के कपड़े पहनें, ताकि पसीना आसानी से सूख सके और शरीर ओवरहीट न हो। सवाल- गर्मी में वर्कआउट के दौरान शरीर के किन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? जवाब- वर्कआउट के दौरान चक्कर आए, ज्यादा पसीना हो तो इन संकेतों को इग्नोर नहीं करना चाहिए। शरीर के इन संकेतों को न करें इग्नोरः-चक्कर आना, कमजोरी / थकान, सिर भारी लगना, मसल असामान्य, हार्ट रेट, क्रैम्प्स, उल्टी / मतली, ज्यादा पसीना, पसीना, स्किन रेडनेस।गर्मियों में वर्कआउट से जुड़े कुछ सवाल और जवाब- सवाल- क्या खाली पेट वर्कआउट करना सही है? जवाब- नहीं, गर्मी में खाली पेट वर्कआउट करने से कमजोरी, चक्कर और एनर्जी ड्रेन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बेहतर है कि वर्कआउट से आधे घंटे पहले हल्के स्नैक्स लें। सवाल- वर्कआउट से पहले, उस दौरान और बाद में कितना पानी पीना चाहिए? जवाब- वर्कआउट से पहले 1-2 गिलास पानी पिएं। वर्कआउट के दौरान हर 15-20 मिनट में थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें। वर्कआउट के कुछ देर बाद 1-2 गिलास पानी जरूर पिएं, ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे। सवाल- क्या सिर्फ पानी काफी है या इलेक्ट्रोलाट्स भी जरूरी हैं? जवाब- हां, गर्मियों में वर्कआउट के दौरान इलेक्ट्रोलाइट्स लेना जरूरी है, ताकि नमक और मिनरल्स की पूर्ति हो सके। सवाल- क्या गर्मियों में रोज वर्कआउट करना सुरक्षित है? जवाब- रोज हल्का या मीडियम वर्कआउट किया जा सकता है, लेकिन शरीर को ओवरलोड न करें। हफ्ते में 1-2 दिन आराम देना जरूरी है, ताकि रिकवरी हो सके। सवाल- क्या गर्मी के मौसम में जिम की बजाय घर पर वर्कआउट करना बेहतर है? जवाब- अगर जिम में कूलिंग और वेंटिलेशन सही नहीं है, तो घर पर वर्कआउट करना बेहतर और सुरक्षित विकल्प हो सकता है। सवाल- क्या एसी या ठंडी जगह पर वर्कआउट करना ज्यादा सुरक्षित है? जवाब- हां, ठंडी और हवादार जगह पर वर्कआउट करने से शरीर ओवरहीट नहीं होता है। सवाल- क्या गर्मी में वर्कआउट के दौरान पानी पीना सही है? जवाब- बिल्कुल, वर्कआउट के दौरान पानी पीना जरूरी है। यह डिहाइड्रेशन से बचाता है और शरीर को एक्टिव बनाए रखता है।

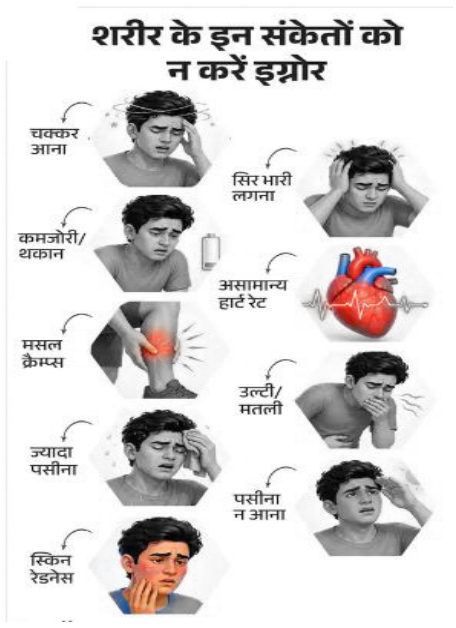

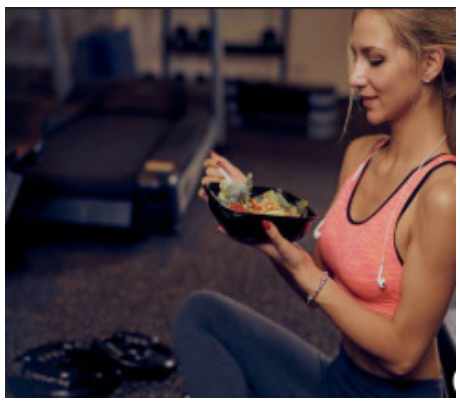

आईपीएल में कोहली सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी,रोहित दूसरे और धोनी तीसरे नंबर पर, रु19,200 करोड़ के साथ कोलकाता सबसे वैल्युएबल फ्रेंचाइजी

नयी दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वे रु230 करोड़ की कमाई कर चुके हैं। आईपीएल 2008 से शुरू हुआ है और इस बार इसका 19वां सीजन है। यह दावा फैनेटिक स्पोर्ट्स और हुरुन इंडिया की ताजा रिपोर्ट में किया गया है। यह रिपोर्ट दुनिया के 53 देशों के 504 शहरों के 1,323 एलीट एथलीटों और 6 स्पोर्ट्स लीगों की स्टडी पर आधारित है। फैनेटिक स्पोर्ट्स एक टिकटिंग और हॉस्पिटैलिटी कंपनी है, जो खेल से जुड़े टूर्नामेंट्स और इवेंट्स का प्रबंधन करती है। वहीं, हुरुन इंडिया रिसर्च और वैल्युएशन कंपनी है, जो अमीरों की सूची और बिजनेस रिपोर्ट्स के लिए जानी जाती है। आईपीएल के सबसे अमीर खिलाड़ियों की लिस्ट में विराट कोहली नंबर-1 पर हैं। वे 2008 से लगातार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेल रहे हैं और अब तक रु230 करोड़ की सैलरी ले चुके हैं। विराट ब्रांड वैल्यू के मामले में भी लीग के सबसे बड़े स्टार हैं। इस सूची में मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रु227.2 करोड़ की कमाई के साथ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के महेंद्र सिंह धोनी रु200 करोड़ की सैलरी के साथ तीसरे स्थान पर हैं। धोनी आज भी भारतीय क्रिकेट और आईपीएल के बड़े कॉमर्शियल आइकन हैं। महिलाओं में मंधाना टॉप पर-विमेंस क्रिकेट में स्मृति मंधाना रु13.7 करोड़ की कमाई के साथ टॉप पर हैं। देश की टॉप 10 महिला क्रिकेटरों की कुल कमाई रु90 करोड़ है, जो विराट कोहली की आईपीएल कमाई रु230 करोड़ के आधे से भी कम है। अन्य खेलों में यह फासला और ज्यादा है। कोलकाता टॉप पर, मुंबई-चेन्नई की वैल्यू बराबर-बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और जूही चावला की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की वैल्यू 19,200 करोड़ रुपए है। इसके साथ ही केकेआर वह देश की सबसे मूल्यवान आईपीएल फ्रेंचाइजी बन गई है। इसके बाद मुंबई इंडियंस (एमआई) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) हैं। दोनों टीमों का वैल्युएशन करीब रु18,400 करोड़ आंकी गई है। आईपीएल की सभी 10 फ्रेंचाइजी का कुल वैल्युएशन अब 1.63 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है। एनएफएल और ईपीएल को टक्कर दे रही भारतीय लीग-रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल फ्रेंचाइजी का रेवेन्यू टिकट, ब्रॉडकास्टिंग राइट्स, स्पॉन्सरशिप, मर्चेंडाइज, डिजिटल कंटेंट और ग्लोबल फैन एंगेजमेंट से आ रहा है। इसी वजह से भारतीय लीग आईपीएल अब वैल्युएशन में अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग और इंग्लैंड की इंग्लिश प्रीमियर लीग को टक्कर दे रही हैं। आईपीएल फ्रेंचाइजी की औसत वैल्युएशन 2032 तक 1.8 अरब डॉलर से बढ़कर 15 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे टीमों की वैल्यू में कई गुना बढ़ोतरी होगी। हॉकी इंडिया लीगः कप्तान हरमनप्रीत की कमाई सिर्फ रु78 लाख-भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह हॉकी इंडिया लीग में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी कमाई सिर्फ रु78 लाख है। फॉरवर्ड अभिषेक नैन को रु72 लाख और हार्दिक सिंह को रु70 लाख मिलते हैं। इससे साफ होता है कि भारत के कमर्शियल स्पोर्ट्स मार्केट पर क्रिकेट का दबदबा है। कमाई में बड़े अंतर के बावजूद हॉकी जमीनी स्तर पर टैलेंट तैयार करने और लोकप्रियता बनाए रखने में सफल रही है। 14 साल के केतन कुशवाहा, 15 साल के पूर्ति आशीष तानी और राहुल यादव जैसे खिलाड़ी इसका उदाहरण हैं। ओडिशा का सुंदरगढ़ देश का इकलौता जिला है, जिसने हुरुन की एलीट रैंकिंग में 12 बड़े एथलीट दिए हैं।

गर्लफ्रेंड कभी बहुत प्यार करती हैं कभी गायब ही हो जाती हैं, कभी चीज़े शेयर करती हैं कभी छोटे लाभ के लिए बदल जाती हैं-क्या करूं मै बहुत परेशां हूँ

नोएडा। रिलेशनशिप की शुरुआत में उतार-चढ़ाव आना सामान्य है। लेकिन अगर किसी व्यक्ति का व्यवहार लगातार ऐसा ही बना हुआ है तो इसे मनोविज्ञान में 'हॉट-एंड-कोल्ड बिहेवियर' कहा जाता है। हालांकि, आपने अपने सवाल में ये नहीं स्पष्ट किया है कि- क्या ये रिलेशनशिप दोतरफा है? कहीं आप अपने दिमाग में अकेले डेट तो नहीं कर रहे? कहीं ये दूसरे व्यक्ति के लिए सिर्फ दोस्ती तो नहीं है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम। सवाल- मेरी उम्र 28 साल है। मैं पिछले कुछ महीनों से एक लड़की को डेट कर रहा हूं। उसका व्यवहार बहुत अजीब है। कभी तो वो खूब बातें करती है, ढेरों प्लान बनाती है, फोन करती है, मिलती है, हम साथ घूमते हैं। कभी अचानक कई-कई दिनों के लिए गायब हो जाती है। फोन नहीं उठाती, मैसेज का जवाब नहीं देती। क्या ये बिहेवियर नॉर्मल है? क्या वो इस रिलेशनशिप को लेकर सीरियस है? मैं इस बिहेवियर को कैसे समझूं, क्या करूं? जवाब-हम इन संभावनाओं के बारे में इसलिए पूछ रहे हैं, क्योंकि आपके सवाल से ये क्लियर नहीं है कि आपको लेकर डेटिंग पार्टनर का नजरिया क्या है? हालांकि, अगर दोनों ओर से प्यार-मोहब्बत का एहसास नहीं भी है, इसके बावजूद किसी रिश्ते में ऐसी कंडीशन हेल्दी नहीं है। प्यार कोई 'लुका-छिपी' का खेल नहीं-किसी भी रिलेशनशिप में स्थिरता नींव की तरह होती है। इसी के आधार पर रिश्ते का भविष्य तय होता है। यह कोई 'लुका-छिपी' का खेल नहीं है कि कुछ दिन साथ में हैं और कुछ दिनों के लिए अचानक गायब हो गए। इस तरह की कंडीशंस रिलेशनशिप को टॉक्सिक बना सकती हैं। ग्राफिक में देखिए, टॉक्सिक रिलेशनशिप के संकेत- कभी बहुत प्यार दिखाना। कभी बिल्कुल उदासीन। कभी बहुत करीब कभी बहुत दूरी रखना। मिजाज व्यवहार स्थिर न होना। कॉल - मैसेज न करना। कॉल मैसेज का जवाब न देना। अपने बिहेवियर को डिनाय करना। उसकी जिम्मेदारी न लेना। बातचीत अवॉइड करना। पार्टनर ऐसा कब बिहेव करता है? आमतौर पर पार्टनर ऐसा व्यवहार तब करता है, जब वह रिलेशनशिप को लेकर अनिश्चितता में होता है। मुमकिन है कि वह आपको पसंद तो करती हो, लेकिन भविष्य को लेकर श्योर न हो। आपने बताया कि आप अभी डेटिंग फेज में हैं। इसका मतलब है कि रिश्ते को लेकर कमिटमेंट नहीं है। ऐसी स्थिति में संभव है कि वह आपके अलावा अन्य विकल्प भी एक्सप्लोर कर रही हो। इसे अवॉइडेंट बिहेवियर कहते हैं। 'अवॉइडेंट बिहेवियर' के 5 कारण- इंटरेस्ट की कमी, ऑप्शन की तलाश, कमिटमेंट फोबिया, इमोशनल इममैच्योरिटी, कंट्रोल गेम। लड़की का नजरिया भी समझें-जरूरी नहीं है कि लड़की जानबूझकर आपका दिल दुखा रही हो। कुछ लोग रिश्तों में ज्यादा करीब आने से घबराते हैं। जब भावनाएं बहुत तीव्र हो जाती हैं, तो वे थोड़ी दूरी बनाने लगते हैं। कभी-कभी पुराने रिश्तों के बुरे अनुभव, जिम्मेदारी से डर या जिंदगी की दूसरी परेशानियां भी वजह हो सकती हैं। इसलिए कोई फैसला लेने से पहले खुलकर बात करना जरूरी है। ब्रेन का 'डोपामिन लूप' में फंसना-अगर कोई व्यक्ति किस्तों में प्यार करता है तो इससे दिमाग 'डोपामिन लूप' में फंस जाता है। जब पार्टनर अच्छे से बात करता है तो हाई महसूस होता है और जब वो गायब होता है तो बेचैनी महसूस होती है।जेन-ज़ी इसे 'बेडक्रॉबिंग' भी कहते हैं। इसका मतलब है कि व्यक्ति को सिर्फ उतने ही प्यार के टुकड़े देना, जिससे वह रिश्ता छोड़कर न जाए, लेकिन उसे पूरा हक भी न मिले। अब आपको यह पता करना होगा कि कहीं आप भी 'डोपामिन लूप' में तो नहीं फंस गए हैं। क्या प्यार एडिक्शन बन रहा है खुद से पूछें ये सवाल-जब वो बात करती हैः- तो हाई फील करते हैं। पूरी दुनिया अच्छी लगती है। सारे काम अच्छे से होते हैं। वेल मैनेज्ड तरीके से रहते हैं। जब बात नहीं करती-तो लो फील करते हैं। हर चीज बुरी लगती है। किसी काम में मन नहीं लगता। सबकुछ बिखर जाता है। रिलेशनशिप सिर्फ एक शख्स के हिसाब से नहीं चलता है। इसमें दोनों की अपनी-अपनी मौजूदगी मायने रखती है। इसमें दोनों लोगों के बराबर के इन्वेस्टमेंट्स होते हैं। इसके साथ दोनों की अपनी-अपनी जिम्मेदारियां भी होती हैं। आपको क्या करना चाहिए? जिस स्थिति में अभी आप फंसे हुए हैं, उसमें कोई भी जल्दबाजी का फैसला आपको गिल्ट में डाल सकता है। इसलिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें-स्पष्ट बातचीत करें-सही समय चुनकर आप अपनी फीलिंग्स शेयर करें। पार्टनर को स्पष्ट तौर पर बताएं कि 'जब तुम कई दिनों तक गायब होती हो तो मैं कन्फ्यूज और इनसिक्योर महसूस करता हूं।' इस तरह के वाक्य स्थिति को बेहतर ढंग से बयां कर सकते हैं। साथ ही रिश्ते की दिशा और उम्मीदों पर खुलकर बात करना जरूरी है। कम्युनिकेशन की अपेक्षाएं तय करें-यह साफ करें कि कितनी बातचीत या अपडेट आपके लिए जरूरी है। अगर पार्टनर को स्पेस चाहिए तो वह पहले से बताए। ऐसा एक बेसिक नियम बनाना रिलेशनशिप को स्थिर बना सकता है। इमोशनल बाउंड्री बनाएं-अपनी खुशियों और मूड को सिर्फ एक व्यक्ति की उपलब्धता पर निर्भर न होने दें। यह किसी भी रिलेशनशिप के लिए हेल्दी नहीं है। दोस्तों, काम और हॉबीज पर फोकस रखने से भावनात्मक संतुलन बना रहता है।समयसीमा तय करें-रिश्ते को समझने के लिए खुद को एक तय समय दें। अगर इस दौरान भी व्यवहार में निरंतरता नहीं आती तो यह संकेत है कि सामने वाला अपना 100 प्रतिशत नहीं दे रहा है। सम्मान को प्राथमिकता दें-याद रखें, जहां आपकी मौजूदगी की कद्र नहीं होती, वहां स्वस्थ और लंबे समय तक चलने वाला प्यार बन पाना मुश्किल होता है। अंतिम सलाह-जो रिश्ता बार-बार आपको खुद की वैल्यू पर सवाल करने को मजबूर करे, वह लंबे समय में खुशी नहीं दे सकता। प्यार में उत्साह जरूरी है, लेकिन स्थिरता उससे भी ज्यादा जरूरी है। अगर कोई व्यक्ति आपकी मौजूदगी को सहजता से स्वीकार नहीं कर पा रहा है तो यह भी उसका एक जवाब हो सकता है।

एआई में आगे बढ़ने के लिए विदेशी डेटा सेंटरों को छूट कितनी उचित?

भारत एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसका एक जरिया विदेशी कंपनियों के लिए भारत में डेटा सेंटर की स्थापना को आसान करना भी है। डेटा सेंटर ऐसी कंप्यूटर सिस्टम्स फेसेलिटी हैं, जो डेटा स्टोर करने में इस्तेमाल होती हैं और क्लाउड स्टोरेज से लेकर एआई तक हर चीज को सपोर्ट करती हैं। इस साल के बजट में विदेशी कंपनियों को भारत में डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 21 साल की टैक्स छूट दी गई है। केंद्र की इस टैक्स छूट के अलावा, राज्य सरकारों ने भी विदेशी डेटा सेंटरों को कई तरह के प्रोत्साहन दिए हैं। लेकिन अमेरिका में देखें तो इन्हीं कंपनियों के डेटा सेंटरों में बड़े निवेश के प्रस्ताव स्थानीय विरोध के कारण वापस ले लिए गए हैं। तब सवाल उठता है कि एआई इकोनॉमी में प्रवेश करने के लिए विदेशी डेटा सेंटरों की मेजबानी करना क्या भारत के लिए सही रणनीति है?पहले तो हम देखें कि इस टैक्स छूट को लेने वाली विदेशी कंपनियों के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की कोई शर्त नहीं रखी गई है और न ही भारत में एआई मैन्युफैक्चरिंग और तकनीकी क्षमता बढ़ाने के कोई प्रावधान हैं। मौजूदा भारत-अमेरिका ट्रेड फ्रेमवर्क के तहत भारत ने वादा किया है कि वह तकनीकी समेत 500 अरब डॉलर तक की अमेरिकी वस्तुएं और सेवाएं खरीदेगा। अमेरिकी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरणों पर आयात प्रतिबंध भी हटाएगा। ऐसे में बहुत संभावना है कि भारत में डेटा सेंटर चलाने वाली कंपनियां घरेलू क्षमता विकसित करने के बजाय अमेरिका से उपकरणों का आयात करेंगी। गौरतलब यह भी है कि डेटा सेंटर चलाने वाली भारतीय कंपनियों को इस टैक्स छूट का लाभ नहीं मिलता, क्योंकि यह केवल विदेशी कंपनियों के लिए है। इन हालात में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के बगैर डेटा सेंटर इनोवेशन के इंजन नहीं, महज गोदाम बनकर रह जाते हैं। इस टैक्स छूट के लिए जरूरी है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय डेटा सेंटरों के लिए एक योजना लाए। इसमें नॉलेज ट्रांसफर और भारतीय कंपनियों के लिए सीधे प्रोत्साहन का प्रावधान शामिल हो। इनके बिना भारत इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराने तक ही सीमित रहेगा, एआई क्षमता विकसित नहीं कर पाएगा। दूसरी बात, डेटा सेंटरों में अत्यधिक बिजली खपत होती है और उन्हें कूलिंग के लिए पानी की बहुत अधिक जरूरत होती है। भारत जैसे देश में इनके लिए नियामक प्रावधान की जरूरत है, जहां हीटवेव और जल संकट पहले ही जनजीवन को प्रभावित कर रहे हैं।आम तौर पर तर्क दिया जाता है कि भारत को इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की जरूरत है और पर्यावरण संबंधी ये चिंताएं तो पश्चिमी देशों की लग्जरी हैं। लेकिन यह तर्क भारत में जल संकट के खतरे को नजरअंदाज करता है। भारत में दुनिया की 18इ आबादी रहती है, लेकिन जल संसाधन केवल 4इ हैं। भारत के मौजूदा 50 डेटा सेंटर पहले ही ऐसे क्षेत्रों में हैं, जहां पानी की भारी किल्लत है। विदेशी डेटा को भारत में रखने के भू-राजनीतिक जोखिम भी हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध में ईरान ने यूएई और बहरीन में एडब्ल्यूएस डेटा सेंटरों पर हमला किया। ईरान ने जिन लक्ष्यों की सूची जारी की, उनमें भी प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों के डेटा सेंटर शामिल थे और उन्हें 'एनिमी टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर' के तौर पर वर्गीकृत किया गया था। डेटा सम्प्रभुता का सिद्धांत भी कहता है कि डिजिटल डेटा उसी देश के कानूनों या न्यायिक क्षेत्र के अधीन होता है, जहां वह भौतिक रूप से उत्पन्न और स्टोर होता है। बजट में भी प्रावधान है कि विदेशी कंपनी ऐसे 'स्पेसिफाइड डेटा सेंटर' के माध्यम से काम करे, जो भारतीय स्वामित्व में हो। (ये लेखिकाओं के अपने विचार हैं,ऋचा रॉय और अरूंधती काटजू)

सस्ती एनर्जी का दौर फिलहाल के लिए तो खत्म हो चुका है

वैश्विक तेल संकट अब भारत के घरेलू बजटों को प्रभावित करने वाला है। दुनिया भर में सरकारें पहले ही किसी न किसी रूप में ऊर्जा-अनुशासन लागू करने लगी हैं। श्रीलंका ने चार-दिवसीय वर्क-वीक और ईंधन पास की नीति लागू की है। बांग्लादेश ने ईंधन की राशनिंग शुरू कर दी है। फिलीपींस ने ऊर्जा आपातकाल घोषित कर दिया है। दक्षिण कोरिया ने तीन दशकों में पहली बार ईंधन मूल्य सीमा लागू की है। जापान ने रिकॉर्ड रणनीतिक भंडार जारी किए। यूरोपीय देश नागरिकों को ऊर्जा बचाने की चेतावनी दे रहे हैं, क्योंकि कई बाजारों में पेट्रोल की कीमतें 200 रु. प्रति लीटर से ऊपर पहुंच चुकी हैं। सस्ती एनर्जी का युग समाप्त हो चुका है, कम-से-कम फिलहाल के लिए। इसका कारण हजारों किलोमीटर दूर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में निहित है। यह संकीर्ण जलमार्ग दुनिया की लगभग 20फीसदी तेल आपूर्ति के लिए जिम्मेदार है। ईरान युद्ध इस महत्वपूर्ण मार्ग को अनिश्चितता के क्षेत्र में बदल चुका है। तेल टैंकरों के मार्ग बदले जा रहे हैं, शिपिंग बीमा लागतों में विस्फोटक वृद्धि हुई है, माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है और आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हैं।

भारत तो दुनिया की सबसे अधिक प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं में है। हमारे लगभग 50फीसदी कच्चे तेल और 90फीसदी रसोई गैस का आयात होर्मुज से होता है। सरल शब्दों में कहें तो जब पश्चिम एशिया में आग लगती है तो खामियाजा भारत को भुगतना पड़ता है। अभी तक भारतीय उपभोक्ताओं को इस संकट के सबसे बुरे प्रभाव से बचाकर रखा गया है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें अधिकांशतः स्थिर बनी हुई हैं। न तो राशनिंग हुई है, न पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें लगी हैं। लेकिन इसकी भी एक कीमत चुकानी पड़ी है। सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारी अंडर-रिकवरी का बोझ उठाया। रिफाइनरियों को असामान्य रूप से ऊंची क्षमता पर काम करने के लिए मजबूर किया गया। एक तरह से राज्य ने उस झटके का एक हिस्सा स्वयं वहन किया, जिसे अन्यथा बाजार सीधे उपभोक्ताओं पर डाल देता। आलोचकों का कहना है कि यह कदम राजनीतिक कारणों के चलते उठाया गया, कि चुनाव समाप्त होने तक ईंधन की कीमतों को कृत्रिम रूप से दबाकर रखा गया, और अब उपभोक्ताओं को मूल्य-वृद्धि के लिए तैयार किया जा रहा है। लेकिन यह तर्क उस व्यापक हकीकत की अनदेखी करता है, जिसका सामना हर तेल-आयातक अर्थव्यवस्था कर रही है। दुनिया भर की सरकारों के सामने यही दुविधा थी कि झटके को तुरंत उपभोक्ताओं पर डाल दिया जाए और महंगाई को भड़का दिया जाए, या उसे अस्थायी रूप से स्वयं वहन किया जाए। अधिकांश सरकारों ने किसी न किसी रूप में हस्तक्षेप का रास्ता चुना। भारत ने भी यही किया।

क्योंकि ईंधन की कीमतें पेट्रोल पम्प पर लिखे अलग-थलग आंकड़े नहीं होतीं, उनका प्रभाव पूरी अर्थव्यवस्था में फैलता है-डीजल की ऊंची कीमतें परिवहन लागत बढ़ाती हैं, इससे खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ते हैं, मैन्युफैक्चरिंग महंगी हो जाती है, हवाई यात्रा की लागत बढ़ जाती है और महंगाई व्यापक रूप से फैलकर असर डालती है। यदि युद्ध कल समाप्त हो जाए, तब भी कीमतें अचानक सामान्य नहीं होंगी। टैंकरों को पहुंचने में हफ्तों लगते हैं, युद्धविराम की घोषणा के बाद भी बीमा दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, देशों को अपने घट चुके भंडार फिर से भरने में समय लगता है, व्यापारी सतर्क बने रहते हैं, और आपूर्ति श्रृंखलाएं धीरे-धीरे ही सामान्य हो पाती हैं। आप इसकी कीमत या तो सीधे ऊंचे ईंधन दामों के रूप में चुकाते हैं, या अप्रत्यक्ष रूप से करों, महंगाई, राजकोषीय दबाव और सरकार के अन्य क्षेत्रों में घटे हुए खर्च के माध्यम से। इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,पलकी शर्मा)

ट्रम्प को चीन से कोई 'बिग ब्यूटीफुल डील' नहीं मिलेगी

ट्रम्प और शी जिनपिंग की मुलाकात जल्द ही बीजिंग समिट में होगी। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रम्प की यह पहली चीन यात्रा होगी। इससे पहले, अक्टूबर 2025 में दोनों नेता दक्षिण कोरिया के बुसान में मिले थे। पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने चीन के साथ अमेरिका के दशकों पुराने जुड़ाव को खत्म कर दिया था।एक साल तक दोनों देशों के बीच चले टैरिफ युद्ध के बाद अब ट्रम्प की इस यात्रा का उद्देश्य शायद दोनों देशों के बीच रिश्तों को फिर से बहाल करना है। चीन से अमेरिका के पुराने रिश्ते इस भ्रम पर आधारित थे कि पश्चिमी देशों के साथ आर्थिक जुड़ाव चीन को अधिक खुला और लोकतांत्रिक बनाएगा। लेकिन नया रिश्ता ऐसे चीन से निपटने की व्यावहारिक जरूरत है, जो पूरी तरह कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण में है और एक आर्थिक तथा तकनीकी महाशक्ति बन चुका है।निःसंदेह, शानो-शौकत और दिखावे के शौकीन ट्रम्प का चीन में बेहद भव्य स्वागत होगा। कुछ प्रतीकात्मक कदम और कारोबारी समझौते हो सकते हैं। लेकिन जोर प्रतिस्पर्धा खत्म करने पर नहीं, उसे मैनेज करने पर ही रहेगा। बुसान में शी-ट्रम्प के बीच हुए टैरिफ समझौते को आगे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन तकनीकी, सुरक्षा और भू-राजनीतिक प्रभाव के क्षेत्रों में दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता में कोई बदलाव नहीं आएगा। चीन के लिए ताइवान अहम प्राथमिकता है। पिछले साल ट्रम्प ताइवान के लिए 11 अरब डॉलर के हथियार पैकेज की मंजूरी दे चुके हैं। लगभग 14 अरब डॉलर के अन्य पैकेज भी प्रक्रियाधीन हैं, जिनमें अत्याधुनिक मिसाइलें शामिल हैं। चीन ने अमेरिका को कहा था कि वह ताइवान को हथियार बेचने के मुद्दे पर सावधानी बरते। इसी बीच, ताइवान की विपक्षी पार्टी केएमटी की चेयरपर्सन चेंग ली-वुन की चीन में शी से हालिया मुलाकात यह संकेत देती है कि ताइवान को लेकर चीन के पास सैन्य विकल्पों के अलावा और भी रास्ते हैं। शी-ट्रम्प बैठक का सबसे संभावित नतीजा यही होने वाला है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख दोहराएंगे और मतभेदों पर परदा डालने की कोशिश करेंगे। फिर ये बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब ईरान युद्ध का असर पूरी दुनिया पर है और दोनों नेताओं की मुलाकात तक इसके समाप्त होने की संभावना भी नहीं दिख रही। निश्चित ही बातचीत में ईरान बड़ा विषय रहेगा, क्योंकि वह चीन का करीबी साझेदार है और उसके तेल निर्यात का बड़ा हिस्सा चीन में ही जाता है। ट्रम्प शायद चीन पर दबाव बनाएंगे कि वह होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए ईरान को राजी करे। वैसे भी चीन इसका समर्थन करता है। चीन भी इसे इस नजरिए से देखेगा कि ईरान मसले ने अमेरिका का ध्यान पूर्वी एशिया से हटा दिया है। कई विश्लेषक पहले ही क्वाड की घटती प्रासंगिकता की ओर इशारा कर चुके हैं। 2025 में क्वाड का कोई समिट नहीं हुआ और कब होगा, यह भी तय नहीं। हालांकि, इसी माह के अंत में क्वाड देशों की बैठक नई दिल्ली में होने वाली है। हाल ही एक पोस्ट में ट्रम्प ने इस यात्रा को लेकर उम्मीदों को अपने अंदाज में जाहिर किया। उन्होंने खुद ही ऐलान कर दिया कि होर्मुज स्ट्रेट खुलने से चीन बहुत खुश है। ट्रम्प ने लिखा, 'मैं यह पूरी दुनिया के लिए और उनके लिए भी कर रहा हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि चीन ने ईरान को हथियार नहीं भेजने पर सहमति जताई है। वैसे चीन के प्रति ट्रम्प की शत्रुता कम नहीं हुई है, लेकिन उनका अंदाज बदल गया है। धमकियां नाकाम होने पर अब वे दोस्ताना और सौदेबाजी वाला रवैया आजमा रहे हैं। ट्रम्प अपनी शैली के मुताबिक इस समिट को एक शानदार जीत के रूप में पेश करना चाहेंगे, जिसमें कोई 'बिग ब्यूटीफुल डील' हो जाए। लेकिन चीन समझदार है और शायद ही उन्हें उनकी उम्मीदों के मुताबिक कोई बड़ी डील देगा।चीन के प्रति ट्रम्प की शत्रुता कम नहीं हुई है, लेकिन उनका अंदाज बदल गया है। धमकियां नाकाम होने पर अब वे दोस्ताना और सौदेबाजी वाला रवैया आजमा रहे हैं। ट्रम्प शी जिनपिंग के साथ समिट को एक शानदार जीत के रूप में पेश करना चाहेंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मनोज जोशी)

क्या अब राजनीति में मुसलमान हाशिये पर हैं?

करीब सात साल पहले मैंने एक लेख लिखा था, जिसका शीर्षक था : 'क्या मुसलमान भाजपा के लिए कोई अहमियत रखते हैं?' हाल के राज्यों के चुनाव नतीजे- खासकर बंगाल और असम के- जहां मुस्लिम वोटरों की आबादी 30फीसदी से ज्यादा है- दिखाते हैं कि यह मुद्दा अब और बड़ा हो गया है। राजनीतिक तौर पर तो निष्कर्ष यही निकलता है कि मुसलमान आज भाजपा के लिए 2019 के मुकाबले काफी कम मायने रखते हैं। बंगाल और असम में भाजपा ने इस बार एक भी मुस्लिम उम्मीदवार उतारे बिना दो-तिहाई सीटें जीत लीं। दूसरी तरफ, असम में विपक्ष के जीते 24 उम्मीदवारों में से 22 मुस्लिम हैं। इनमें भी कांग्रेस के 19 जीते उम्मीदवारों में से 18 मुस्लिम हैं। बंगाल में 293 नए विधायकों में 40 मुस्लिम हैं, जिनमें से 34 टीएमसी के हैं। यानी टीएमसी के कुल 80 जीते उम्मीदवारों में से 45 फीसदी मुस्लिम हैं। इसका मतलब यह है कि जिन दो राज्यों में मुस्लिम आबादी सबसे ज्यादा है (जम्मू-कश्मीर अब राज्य नहीं है), वहां मुसलमान सत्ता से बाहर हो चुके हैं। भाजपा और सेकुलर पार्टियों के बीच हिंदू-मुस्लिम आधार पर बंटवारा साफ हो गया है। केरल में यूडीएफ के 102 नए विधायकों में 30 मुस्लिम और 29 ईसाई हैं। सेकुलर खेमे को इस बात से राहत हो सकती है कि कम से कम केरल में मुसलमान सत्ता में शामिल हैं, लेकिन यह राहत इस डर से कम हो जाती है कि भाजपा अब इसे अल्पसंख्यकों की सरकार बताकर हिंदू वोटरों को प्रभावित करने की कोशिश करेगी।राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो 18वीं लोकसभा में कुल 24 मुस्लिम सांसद हैं, यानी सिर्फ 4.42 फीसदी, जबकि देश में मुस्लिम वोटरों की आबादी 15 फीसदी से ज्यादा है। 16वीं लोकसभा में 22 और 17वीं लोकसभा में 27 मुस्लिम सांसद थे। जबकि 1980 में 49 और 1984 में 45 मुस्लिम सांसद चुने गए थे। तब उनका प्रतिशत क्रमशः 9 और 8.3 था। लोकसभा में मुस्लिम सांसदों की संख्या अकसर 5 फीसदी के आसपास रही है, लेकिन केंद्र में उन्हें हमेशा अच्छा प्रतिनिधित्व मिलता रहा। यहां तक कि वाजपेयी सरकार में सिकंदर बख्त मंत्री थे। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा उपसभापति जैसे पदों से लेकर सेना और खुफिया एजेंसियों के प्रमुख पदों तक मुसलमान पहुंच चुके हैं, लेकिन आज वे किसी भी ऐसे पद पर नहीं हैं। आज कोई मुस्लिम मुख्यमंत्री नहीं है। जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। सिर्फ एक मुस्लिम राज्यपाल हैं- बिहार में सैयद अता हसनैन। केंद्र सरकार के करीब 100 सचिवों में सिर्फ एक मुस्लिम हैं- कामरान रिजवी- जो हैवी इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के सचिव हैं। सुप्रीम कोर्ट के 32 जजों में भी सिर्फ एक मुस्लिम जज हैं- जस्टिस एहसानुद्दीन अमानुल्लाह। भारत के आखिरी मुस्लिम मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एएम अहमदी थे, जो 24 मार्च 1997 को रिटायर हुए थे। यह सब देखकर ऐसा लग सकता है कि भारतीय मुसलमानों को किनारे कर दिया गया है, लेकिन इस सोच पर फिर से विचार करने की जरूरत है। डॉक्टरी, कानून, शिक्षा, विज्ञान, सॉफ्टवेयर, बैंकिंग, मनोरंजन और मीडिया जैसे क्षेत्रों में मुसलमानों की संख्या बढ़ रही है। सिविल सेवा और सेना में भी उनका चयन बढ़ा है। इसलिए समस्या यह नहीं है कि मुसलमान हर क्षेत्र से बाहर हो रहे हैं। असली समस्या यह है कि राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लगातार कम हो रहा है। 1996 में वाजपेयी सरकार 13 दिन चली थी और 1999 में एक वोट से गिर गई थी। तब भाजपा नेता बलबीर पुंज इस बात से नाराज थे कि मुस्लिम वोटों पर निर्भर पार्टियां भाजपा को स्वीकार नहीं कर रही थीं। उनका मानना था कि मुसलमान तय कर रहे थे भारत पर कौन राज करेगा और कौन नहीं, लेकिन अब यह स्थिति बदल गई है। ये तथ्य तीन बड़े निष्कर्षों की ओर इशारा करते हैं। एक, भाजपा की विरोधी या सेकुलर पार्टियों को भाजपा अब मुस्लिम पार्टियों की तरह पेश करना चाहती है, जबकि उनके नेता हिंदू हैं। इससे हिंदू बनाम बाकी सब वाला माहौल बनता है, जो 80 फीसदी बनाम 20 फीसदी की राजनीति में बदल जाता है। यह भाजपा के लिए सबसे फायदेमंद स्थिति है। भाजपा चुनिंदा इलाकों में ईसाइयों के बीच भी काम करती है। गोवा और केरल में उसे इसका मौका मिला है। भाजपा के पास धैर्य भी है और समय भी। उत्तर-पूर्व में उसने ईसाई जनजातियों के साथ सुविधाजनक रिश्ता बना लिया है। वहां उसने कभी गोमांस पर प्रतिबंध की मांग नहीं की। अब भी कुछ सेकुलर पार्टियां मुस्लिम वोटों पर निर्भर हैं, लेकिन वे इतनी सतर्क हो गई हैं कि मुसलमानों के समर्थन में खुलकर बोलने से भी बचती हैं। जैसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार ने शाहीन बाग आंदोलन और उसके बाद हुए दंगों के दौरान चुप्पी बनाए रखी। इससे धर्मनिरपेक्षता बचाने की जिम्मेदारी मुसलमानों पर आ गई है। यह न सिर्फ मुश्किल और अव्यावहारिक है, बल्कि गलत भी है। आज मुसलमानों से कहा जाता है कि वे उसी उम्मीदवार को वोट दें, जो भाजपा को हरा सके। इसके पीछे यह उम्मीद होती है कि इससे उन्हें सुरक्षा मिलेगी। एक मजबूत धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के लिए यह बहुत कमजोर सोच है। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट भी बताती है कि इससे मुसलमानों को फायदा नहीं हुआ। अब सेकुलर दलों को हिंदुओं के साथ इतना बड़ा गठबंधन बनाना होगा, जो जीत दिलाने वाला वोट प्रतिशत जुटा सके। पहले हिंदी पट्टी की पार्टियां जाति के आधार पर हिंदुओं को बांटकर जीत हासिल करती थीं, लेकिन भाजपा ने उस राजनीति को तोड़ दिया है। अगर मुसलमान अपनी अलग पार्टी बनाएंगे, तो उससे भाजपा को ही फायदा होगा और उसकी ताकत बढ़ेगी। जिन्ना के बाद भारत के मुसलमानों ने कभी किसी मुस्लिम नेता को अपना सबसे भरोसेमंद नेता नहीं माना। वे नेहरू-गांधी परिवार, यूपी-बिहार के यादव नेताओं, ममता बनर्जी और कई जगहों पर वाम दलों के हिंदू नेताओं पर भरोसा करते रहे हैं। लेकिन वे पहले कभी इस तरह सत्ता से बाहर नहीं हुए थे, जैसे आज हैं। इसे ठीक करने का एक ही तरीका है- ऐसा नेतृत्व उभरे, जो बड़ी संख्या में हिंदुओं को साथ लेकर नया गठबंधन बनाए। भारत के हिंदुओं ने ही संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता को चुना था, इसलिए उसे बचाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। भाजपा को वही चुनौती दे पाएगा, जो हिंदुओं के साथ भरोसे का रिश्ता बना सके। पार्टियों में हिंदू-मुस्लिम बंटवारा अब और स्पष्ट है.भाजपा के लिए मुस्लिम वोटर्स अब जरूरी नहीं रह गए हैं। ऐसे में क्या कोई हिंदू-नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन ही उसे चुनावों में चुनौती दे सकता है? क्योंकि यह तो साफ है कि भाजपा और सेकुलर पार्टियों के बीच हिंदू-मुस्लिम बंटवारा अब और मजबूत हो गया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं, शेखर गुप्ता)

मेलोनी के पिता ड्रग तस्करी में जेल गए, बचपन में मां एबॉर्शन करवाने वाली थीं, खुद बारटेंडर रहीं- कैसे बनीं इटली की पहली महिला पीएम

रोम। कभी ट्रम्प ने बीच भाषण रोककर खूबसूरती की तारीफ की, कभी अल्बानिया के पीएम ने घुटने पर बैठकर स्वागत किया। मोदी के साथ सेल्फी ली तो #Melodi ट्रेंड हो गया। इटली

की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी जब भी किसी विदेशी नेता से मिलती हैं, वो मुलाकात मोमेंट बन जाती है। आज पीएम मोदी से फिर उनकी मुलाकात हुई है। बचपनः मां एबॉर्शन करवाने वाली थीं, 1 साल की उम्र में पिता छोड़ गए-इटली का सबसे मशहूर शहर है रोम। 15 जनवरी 1977 को यहीं जॉर्जिया मेलोनी पैदा हुईं। पिता फ्रांसेस्को टैक्स एडवाइजर थे और मां अन्ना नॉवेल राइटर। उनकी शादीशुदा जिंदगी में सब ठीक नहीं था। ऑटोबायोग्राफी 'इओ सोनो जॉर्जिया (मैं जॉर्जिया हूं)' में मेलोनी लिखती हैं- जब मैं गर्भ में थीं, तो मां ने इसे गिराने का सोचा। आखिरी वक्त पर क्लीनिक से लौट आईं। मैं अपनी मां और उनकी हिम्मत की कर्जदार हूं। उनके साहस और समझदारी के इस कदम के बिना मेरा जन्म ही नहीं होता।' अन्ना का पति से रिश्ता ज्यादा दिन नहीं चला। 1978 में जब जॉर्जिया एक साल की हुईं, तो फ्रांसेस्को परिवार छोड़कर स्पेन के कैनरी द्वीप चले गए और दूसरी शादी कर ली।

पिता जिस घर को छोड़कर

गए थे, वो रोम के पॉश इलाके कैमिलुचिया में था। 1980 की बात है। 3 साल की मेलोनी बड़ी बहन एरियाना के साथ खेल रही थीं, तभी एक बड़ा हादसा हो गया। उस हादसे के बारे में एरियाना ने एक इंटरव्यू में बताया- हम लाइट नहीं जलाना चाहते थे, इसलिए मोमबत्तियां जला लीं। फिर हमने उन्हें रजाई और खिलौनों से ढक दिया और टीवी पर कार्टून देखने चले गए। कमरे में आग लग गई। जो कुछ बचा था, सब खत्म हो गया। जब तक नया घर नहीं मिला, मेलोनी नाना-नानी के गरबाटेला वाले घर में फर्श पर गद्दे बिछाकर सोती थीं। मां पास में ही अपनी एक दोस्त के यहां चली जाती थीं। नाइट क्लब में बारटेंडर, 15 साल में राजनीति शुरू की-1990 के आखिर में मां उपन्यास लिखकर कुछ पैसे कमाती थीं, लेकिन ये घर के खर्च के लिए काफी नहीं होते थे। बहन एरियाना कहती हैं, 'जॉर्जिया गरीबी के चलते कॉलेज नहीं जा सकी। उसने सीडी बेचकर और बच्चों की देखभाल करके पैसे कमाए।' जॉर्जिया ने रोम के

सबसे मशहूर नाइट क्लब 'पाइपर क्लब' में बारटेंडर का भी काम किया। 2013 में मेलोनी ने कहा था, 'मैंने जिंदगी के बारे में संसद में काम करके नहीं, बार काउंटर के पीछे खड़े होकर सीखा है।' 15 साल की उम्र में जॉर्जिया ने एमएसआई नाम की पार्टी ज्वॉइन की। ये एक फासीवादी पार्टी थी, जिसे 1945 तक इटली के तानाशाह रहे मुसोलिनी की मौत के बाद उनके समर्थकों ने खड़ा किया था। 25 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री बनने के बाद संसद में अपने पहले भाषण में जॉर्जिया ने कहा, 'मैंने 15 साल की उम्र में विया डी'एमेलियो नरसंहार के बाद राजनीति शुरू की, जिसमें माफिया ने जज पाओलो बोर्सेलिनो को मारा था। मुझे लगा कि अब चुपचाप बैठना मुमकिन नहीं।' दरअसल, इटली के माफिया नेटवर्क के खिलाफ जांच कर रहे जज पाओलो बोर्सेलिनो की कार को बम से उड़ा दिया गया था। इसमें उनके अलावा 5 बॉडीगार्ड भी मारे गए थे। 1996 में मेलोनी ने फ्रेंच टीवी के साथ इंटरव्यू में कहा, 'मुसोलिनी एक अच्छे नेता थे। पिछले 50 सालों के नेताओं के उलट उन्होंने जो कुछ भी किया, देश के लिए किया।' इसी वीडियो में मेलोनी की मां अन्ना भी दिखाई दे रही हैं। वो कहती हैं, 'मैंने अपनी बेटी पर धुर दक्षिणपंथी विचार थोपने की कोशिश नहीं की है।' 1995 में एमएसआई के नेता जियानफ्रैंको फिनी ने पार्टी को फासीवाद से दूर करके एक नेशनल-कंजर्वेटिव पार्टी बनाने की पहल की। एमएसआई की जगह नया नाम 'नेशनल अलायंस' रखा गया। 1997 में 20 साल की मेलोनी इसकी यूथ विंग के रोम सेक्शन की चीफ बनीं। सबसे कम उम्र की कैबिनेट मिनिस्टर-2004 में 27 साल की मेलोनी को पूरे इटली में नेशनल अलायंस की यूथ विंग का चीफ चुना गया। एक तरह से युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष। पहली बार किसी महिला को ये पद मिला था। 2006 में मेलोनी गरबाटेला से सांसद बनीं। फिर 2008 में उन्हें यूथ मिनिस्टर और इटली की संसद के निचले सदन यानी 'चैंबर ऑफ डेप्युटीज' का डिप्टी प्रेसिडेंट भी बनाया गया। इधर 2009 में नेशनल अलायंस के नेता फिनी ने इटली के पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी के साथ मिलकर गठबंधन बनाया और इसे नाम दिया गया- 'द पीपुल ऑफ लिबर्टी।' ये एक तरह से दक्षिणपंथी नेताओं का जमावड़ा था। 2012 में बर्लुस्कोनी ने गठबंधन का नया नेता चुनने के लिए चुनाव से इनकार किया, तो मेलोनी और उनके साथियों ने ये गठबंधन छोड़ दिया और अलग पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया। अपनी पार्टी बनाई, इटली की पहली महिला पीएम बनीं- मेलोनी अपनी पार्टी का नाम अंग्रेजी में 'We Italians' रखना चाहती थीं, लेकिन उनके साथी और पार्टी के फाउंडर मेंबर फैबियो रामपेली ने नाम सुझाया- फ्रेटेली डी'इटैलिया यानी 'ब्रदर्स ऑफ इटली'। ये इटली के राष्ट्रगान की पहली लाइन से लिया गया है। 'ब्रदर्स ऑफ इटली' के ज्यादातर नेता वही हैं, जो एमएसआई में थे। पार्टी का हेडक्वार्टर और पार्टी का तीन रंगों वाला प्रतीक भी लगभग वही है। 2018 के इटली चुनाव में मेलोनी की पार्टी 'ब्रदर्स ऑफ इटली' को 4.4फीसदी वोट मिले। 2022 के आम चुनाव में 26फीसदी वोट के साथ 'ब्रदर्स ऑफ इटली' देश की सबसे बड़ी पार्टी बन गई। इसने संसद के निचले सदन की 400 सीटों में से 119 सीटें जीतीं। बर्लुस्कोनी की पार्टी 'फोर्जा इटालिया' सहित कई अन्य दलों से गठबंधन किया और 22

अक्टूबर, 2022 को मेलोनी इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। परिवारः टीवी जर्नलिस्ट के साथ 8 साल रिश्ते में रहीं, 10 साल की बेटी-2014 में एक टीवी शो चल रहा था। ब्रेक के दौरान मेलोनी ने केला खाया और उसका छिलका पास खड़े एक शख्स को असिस्टेंट समझकर पकड़ा दिया। ये शख्स टीवी जर्नलिस्ट एंड्रिया जियाम्ब्रूनो थे। इस मुलाकात के बाद दोनों करीब आए। मेलोनी 2015 से 2023 तक एंड्रिया के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहीं। 2016 में मेलोनी को एक बेटी हुई जिसका नाम जिनेवरा है। 20 अक्टूबर 2023 को

मेलोनी ने एंड्रिया के साथ अपने रिश्ते को खत्म करने का ऐलान करते हुए कहा- 'करीब 10 साल चला हमारा रिश्ता अब खत्म होता है। शानदार समय साथ बिताने और मुझे मेरे जीवन की सबसे अहम चीज मेरी बेटी जिनेवरा देने के लिए मैं एंड्रिया की शुक्रगुजार हूं।' वहीं जॉर्जिया की बहन एरियाना पार्टी की पॉलिटिकल सेक्रेटेरियट की चीफ हैं। पार्टी के अहम फैसले एरियाना ही लेती हैं। उन्हें मेलोनी की करीबी सलाहकार माना जाता है। जॉर्जिया 12 साल की उम्र तक अपने पिता फ्रांसेस्को से मिलती रहीं, लेकिन उसके बाद संपर्क खत्म हो गया। 1995 में फ्रांसेस्को को स्पेन में ड्रग्स की तस्करी के आरोप में 9 साल की जेल हुई फिर 2012 में उनकी मौत हो गई थी। मेलोनी की कौन-सी बातें उन्हें अलग बनाती हैं? 2024 में फोर्ब्स ने उन्हें दुनिया की तीसरी सबसे ताकतवर महिला बताया। 3 बातें उन्हें खास बनाती हैं- 1. इटली के 161 साल के चुनावी इतिहास में पहली महिला पीएम- मेलोनी इटली के 161 साल के पुरुष प्रधान राजनीतिक इतिहास में पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। अक्टूबर 2025 में इजिप्ट में हुई गाजा पीस समिट में 30 बड़े देशों के नेताओं के बीच वे इकलौती महिला थीं। 3.77 सालों में 68 सरकारें बदलीं, मेलोनी दूसरी लॉन्गेस्ट सर्विंग पीएम-इटली में 1948 के बाद से पिछले 77 सालों में 68 सरकारें बदल चुकी हैं। वहां एक सरकार की औसत उम्र 16 महीने रही है। इसके उलट मेलोनी एक कार्यकाल में मेलोनी देश की दूसरी लॉन्गेस्ट सर्विंग पीएम हैं। पहले नंबर पर सिल्वियो 2001 से 2005 तक 1400 दिन तक पीएम रहे। मेलोनी 1300 से ज्यादा दिनों से पीएम हैं। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि मेलोनी गठबंधन के सहयोगी नेता, जैसे- माटेओ साल्विनी और सिल्वियो बर्लुस्कोनी को एकजुट रखने के साथ-साथ विरोधियों को मैनेज करने में सफल रहीं हैं। इसीलिए उनकी सरकार के खिलाफ कोई बड़ा आंदोलन पनप नहीं पाता। 3. चुलबुला अंदाज, आम इंसान वाली छवि-मेलोनी की सबसे बड़ी ताकत उनकी पर्सनैलिटी है। वे राजनीतिक मंचों पर किसी नेता जैसी नहीं, आम लोगों जैसी होती हैं। उन्हीं की भाषा में बात करती हैं और कार्यक्रम के बाद लोगों से हंसी मजाक भी करती हैं। 2019 में एक भाषण के दौरान उन्होंने कहा था, 'मैं जॉर्जिया हूं, एक महिला हूं, एक मां हूं और एक क्रिश्चियन हूं, और आप मुझे मेरी इस पहचान से अलग नहीं कर सकते।' ऐसे स्पष्ट बयान और पारंपरिक विचारधारा इटली जैसे कैथोलिक क्रिश्चियन बहुल देश में उन्हें पॉपुलर बनाती हैं। मेलोनी खुद को फेमिनिस्ट नहीं मानतीं, बल्कि 'पिंक कोटा' यानी महिलाओं के आरक्षण का विरोध करती हैं। मेलोनी ने 2024 में इटली की मेजबानी में हुई जी7 समिट के दौरान पारंपरिक इटालियन डांस 'पिजिका' किया था। तब दुनिया के बड़े नेताओं बीच उनका यह खुला और चुलबुला अंदाज काफी पसंद किया गया था। इसके अलावा अंतराष्ट्रीय मंचों पर मेलोनी के कई नेताओं के साथ हंसी-मजाक के वीडियो भी वायरल होते हैं, जिससे वे चर्चाओं में बनी रहती हैं।

जिनपिंग बोले- ईरान जंग को रोकना जरूरी, दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही, बीजिंग में पुतिन के साथ बैठक की

बीजिंग।क्रेमलिन ने कहा है कि दोनों देश करीब 40 समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। इनमें अर्थव्यवस्था, पर्यटन, शिक्षा और ऊर्जा से जुड़े समझौते शामिल हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप में रूस की गैस

बिक्री लगभग बंद हो गई है। ऐसे में रूस के लिए चीन के साथ ऊर्जा सहयोग बेहद अहम हो गया है। बैठक से पहले जारी वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे 'मुख्य हितों' की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पुतिन बोले- रिश्ते अभूतपूर्व स्तर पर-चीन पहुंचने से पहले जारी वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन के रिश्ते अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसा, आपसी समझ और बराबरी के सहयोग का रिश्ता है। पुतिन ने कहा कि दोनों देश संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। उनके मुताबिक, रूस और चीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहे हैं। अमेरिका-रूस के बीच संतुलन बना रहा चीन-ट्रम्प के बाद अब पुतिन के दौरे को लेकर जानकारों का कहना है कि लगातार हो रहे ये बड़े दौरे दिखाते हैं कि चीन एकसाथ अमेरिका और रूस दोनों के साथ रिश्ते संतुलित रखने की कोशिश कर रहा है, खासकर ऐसे समय में जब यूक्रेन और ईरान से जुड़े मुद्दों पर वैश्विक तनाव बना हुआ है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि चीन के पास यह मौका है कि वह एकसाथ अमेरिका और रूस दोनों के साथ बातचीत करके अपनी वैश्विक भूमिका को मजबूत दिखाए। पुतिन 40 से ज्यादा बार जिनपिंग से मिल चुके-पुतिन और शी जिनपिंग अब तक 40 से ज्यादा बार मुलाकात कर चुके हैं। पुतिन और जिनपिंग की दोस्ती दुनिया की सबसे मजबूत राजनीतिक साझेदारियों में मानी जाती है। 2013 में राष्ट्रपति बनने के बाद शी जिनपिंग अपनी पहली विदेश यात्रा पर रूस गए थे। वहीं पुतिन भी कई बार चीन को अपनी शुरुआती विदेशी यात्राओं में प्राथमिकता देते रहे हैं। दोनों नेता सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे को करीबी दोस्त और रणनीतिक साझेदार बता चुके हैं। क्रेमलिन के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच सिर्फ औपचारिक कूटनीति नहीं, बल्कि लगातार निजी संवाद भी होता रहा है। फरवरी 2026 में हुई वीडियो बैठक में शी जिनपिंग ने पुतिन को चीन आने का न्योता दिया था, जिसे पुतिन ने तुरंत स्वीकार कर लिया। दोनों नेता ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और एशिया-प्रशांत मंचों पर भी अक्सर साथ नजर आते हैं। अंतरराष्ट्रीय मामलों में अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबाव के मुकाबले रूस और चीन खुद को मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर के समर्थक के रूप में पेश करते रहे हैं। मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर यानी ऐसी दुनिया, जहां ताकत सिर्फ एक देश नहीं बल्कि कई बड़े देशों में बंटी हो। चीन-रूस के आर्थिक रिश्ते लगातार मजबूत हुए- अमेरिकी प्रभाव को लेकर साझा चिंता के चलते चीन और रूस ने पिछले कुछ सालों में अपने रिश्ते काफी मजबूत किए हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, विदेश नीति, कानून व्यवस्था और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर लगातार उच्चस्तरीय बैठकें होती रही हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद चीन और रूस के बीच व्यापार तेजी से बढ़ा है। चीन ने रूस से तेल, कोयला और गैस की खरीद बढ़ाई है। वहीं, चीन रूस को कार, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूसरी बड़ी वस्तुओं का निर्यात कर रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार 228.1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था। रूस को इसमें 21.49 अरब डॉलर का ट्रेड सरप्लस मिला, जो 2024 के मुकाबले 55फीसदी ज्यादा है। हालांकि, पश्चिमी देशों ने चीन पर आरोप लगाया है कि वह यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस को आर्थिक सहारा दे रहा है। पावर ऑफ साइबेरिया-2 पाइपलाइन पर भी नजर-रूस लंबे समय से 'पावर ऑफ साइबेरिया-2' गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। माना जा रहा है कि पुतिन और जिनपिंग की बैठक में इस प्रोजेक्ट पर भी चर्चा हो सकती है। यह एक बहुत बड़ा गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट है, जिसे रूस और चीन मिलकर बना रहे हैं। इसका मकसद रूस की गैस सीधे चीन तक पहुंचाना है, ताकि दोनों देशों के बीच ऊर्जा सहयोग और मजबूत हो सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पाइपलाइन के जरिए रूस के यामाल प्रायद्वीप से हर साल करीब 50 अरब क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस मंगोलिया के रास्ते उत्तरी चीन भेजी जा सकेगी। इतनी गैस से 15 से 20 करोड़ घरों की एक साल की जरूरत पूरी हो सकती है। दोनों देशों के बीच पहले से एक पाइपलाइन चल रही है, जिसका नाम पावर ऑफ साइबेरिया-1 है। यह रूस के पूर्वी हिस्से से चीन को गैस देती है, जो दिसंबर 2019 में शुरू हुई थी। दूसरी पाइपलाइन रूस के पश्चिमी हिस्से से गैस लाएगी। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर अब दुनिया के ऊर्जा बाजार पर भी दिखने लगा है। होर्मुज स्ट्रेट के लगभग बंद होने जैसी स्थिति से तेल सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। इससे दुनियाभर में आर्थिक मंदी का खतरा भी गहराया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि तेल और गैस की कीमतें बढ़ने से फिलहाल रूस को कुछ फायदा मिला है। रूस दुनिया के सबसे बड़े तेल और प्राकृतिक गैस भंडार वाले देशों में शामिल है। हालांकि, यूक्रेन युद्ध के कारण रूस अब भी अमेरिका और यूरोपीय देशों के आर्थिक प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। इन प्रतिबंधों का असर रूसी अर्थव्यवस्था पर लगातार बना हुआ है।

देशभर में 15 लाख दवा दुकानें बंद,ऑनलाइन बिक्री का विरोध कर रहे

नयी दिल्ली। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पिटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद हैं। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स

एंड ड्रगिस्ट्स ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है। बंद का मामूली असर दिख रहा है। पटना के आईजीआईएमएस के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के पीजीआई में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी। उसने कहा, 'दवाएं नहीं मिल रही हैं।' हालांकि, ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने कहा था कि बंद के दौरान भी अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे। इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी। दवा दुकानदारों की 4 मांगें-बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'गलत या नकली पर्चियों' का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए ई-फार्मेसी के लिए नए सख्त नियम बनाए जाएं। लोकल दुकानदार ऑनलाइन कंपनियों के 20फीसदी से 50फीसदी तक के डिस्काउंट का मुकाबला नहीं कर सकते। कोविड-19 के दौरान सरकार ने ई-फार्मा को छूट दी- कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत सरकार ने लॉकडाउन में लोगों तक जरूरी दवाइयां पहुंचाने के लिए ई-फार्मा स्टोर्स (ऑनलाइन मेडिकल स्टोर्स) को कई बड़ी रियायतें दी थीं। सरकार ने ई-फार्मा को आवश्यक सेवा का दर्जा दिया, जिससे लॉकडाउन में भी उनकी डिलीवरी बिना रोक-टोक जारी रही। इसके अलावा, नियमों में ढील देते हुए डॉक्टरों के डिजिटल प्रिसक्रिप्शन (व्हाट्सएप या ईमेल पर भेजी गई पर्चों) के आधार पर दवाइयां बेचने की मंजूरी दी गई। घर-घर जाकर दवाइयां पहुंचाने की प्रक्रियाओं को आसान बनाया गया ताकि लोग अस्पतालों या मेडिकल स्टोर पर भीड़ लगाने के बजाय सुरक्षित तरीके से घर बैठे ही अपनी रेगुलर और जरूरी दवाइयां मंगा सकें।

ताइवान की सड़कों पर भारत विरोधी पोस्टर,चुनाव लड़ रहा उम्मीदवार बोला- भारतीय मजदूरों को मत लाओ, वे अपराधी होते हैं

ताइपे। ताइवान में स्थानीय चुनाव के दौरान एक निर्दलीय उम्मीदवार ने भारत विरोधी पोस्टर लगाया है। इसमें पगड़ी पहने एक सिख व्यक्ति की तस्वीर पर बड़ा 'नो' यानी प्रतिबंध का निशान बना हुआ था। पोस्टर का मैसेज था कि भारत से आने वाले प्रवासी मजदूरों का विरोध किया जाए। वे अपराधी होते हैं, उन्हें देश में न आने दिया जाए। यह विवाद ऐसे समय में हुआ है जब ताइवान भारत के साथ हुए श्रम सहयोग समझौते के तहत भारतीय कामगारों को बुलाने की तैयारी कर रहा है। ताइवान की विपक्षी पार्टी कुओमिनतांग यानी केएमटी भी भारतीय मजदूरों को बुलाने का विरोध कर रही है। सांसद हुआंग चिएन-पिन ने भारत के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला दिया था। उन्होंने संसद में कहा था कि भारत में 2022 में महिलाओं के खिलाफ 4.45 लाख से ज्यादा अपराध दर्ज हुए थे, जिनमें 31 हजार से ज्यादा रेप के मामले शामिल थे। ऐसे में भारतीय मजदूरों को लेकर ज्यादा सख्त जांच और निगरानी होनी चाहिए। वे यहां पर महिलाओं के साथ बलात्कार कर सकते हैं। भारतीय बोले- यह नस्लीय भेदभाव है- वहीं, ताइवान में रहने वाले एक भारतीय ने सोशल मीडिया पर इसे नस्लीय भेदभाव बताया। उन्होंने कहा कि किसी नीति का विरोध करना अलग बात है, लेकिन किसी समुदाय की पहचान और सांस्कृतिक प्रतीकों को निशाना बनाना गलत है। एक अन्य व्यक्ति ने लिखा कि ताइवान में करीब 7 हजार भारतीय रहते हैं और उनमें से ज्यादातर हाई-टेक और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में काम करते हैं। इसमें फॉक्सकॉन और टीएसएमसी जैसी कंपनियां

शामिल हैं। ताइवान की स्थानीय राजनीतिक पार्टी न्यू पावर पार्टी के नेता वांग यी-हेंग ने भी पोस्टर की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारतीय झंडे और पगड़ी पर प्रतिबंध का निशान लगाना बेहद अज्ञानता भरा कदम है। उनके मुताबिक पगड़ी सिर्फ कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था और सम्मान का प्रतीक है। भारत-ताइवान में मजदूरों को लेकर समझौता हुआ था-2024 में भारत और ताइवान के बीच प्रवासी मजदूरों को लेकर एक अहम समझौता हुआ था। इसे लेबर कोऑपरेशन एमओयू यानी श्रम सहयोग समझौता कहा गया। इसका मकसद ताइवान में बढ़ती कामगारों की कमी को पूरा करना और भारतीय कामगारों को वहां रोजगार के अवसर देना है। ताइवान कई सालों से श्रमिक संकट का सामना कर रहा है। वहां जन्म दर लगातार गिर रही है, आबादी बूढ़ी हो रही है और युवाओं की संख्या कम होती जा रही है। इसका असर खासकर फैक्ट्री, खेती, निर्माण और बुजुर्गों की देखभाल जैसे क्षेत्रों पर पड़ रहा है। इसी वजह से ताइवान लंबे समय से दूसरे एशियाई देशों जैसे इंडोनेशिया, वियतनाम, फिलीपींस और थाईलैंड से मजदूर बुलाता रहा है। अब उसने भारत को भी इस सूची में शामिल करने का फैसला किया। इस समझौते के तहत करीब 1000 भारतीय मजदूर इस साल के अंत तक ताइवान पहुंचेंगे। इसके बाद अगर व्यवस्था सही चली और उद्योगों की मांग बढ़ी, तो संख्या आगे बढ़ाई जा सकती है।भारतीय मजदूरों पर सख्त नियंत्रण लगाने की मांग-जब भारत और ताइवान के बीच भारतीय मजदूरों को लेकर समझौता हुआ था, तब भी ताइवान में इसे लेकर विवाद हुआ था। कई लोगों ने डर जताया था कि भारतीय मजदूरों के आने से अपराध बढ़ सकते हैं और महिलाओं की सुरक्षा पर असर पड़ सकता है।ताइवान पीपुल्स पार्टी के नेता को वेन-जे ने भी कहा था कि भारत से आने वाले मजदूरों पर सख्त नियंत्रण होना चाहिए। उन्होंने दावा किया था कि 'भाग जाने वाले विदेशी मजदूर' पहले से ही ताइवान की राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन चुके हैं। दरअसल ताइवान फ्यूजिटिव वर्कर्स की समस्या से जूझ रहा है। इसमें प्रवासी मजदूर कानूनी तौर पर किसी कंपनी या काम के लिए ताइवान आते हैं, लेकिन बाद में अपना तय काम छोड़कर गायब हो जाते हैं। फिर वे बिना अनुमति के दूसरी जगह काम करने लगते हैं या अवैध रूप से रहने लगते हैं। ताइवान के कई नेता इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं। इस बहस के दौरान एक और विवाद तब हुआ जब उस समय की ताइवान की श्रम मंत्री हसू मिंग-चुन ने कहा कि शुरुआत में भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों से मजदूर भर्ती किए जा सकते हैं। उन्होंने इसकी वजह बताते हुए कहा था कि वहां के लोगों की स्किन कलर, खानपान और धार्मिक आदतें ताइवान के लोगों से ज्यादा मिलती-जुलती हैं। उनके इस बयान की काफी आलोचना हुई और लोगों ने इसे नस्लवादी और भेदभावपूर्ण बताया। विवाद बढ़ने के बाद ताइवान के विदेश मंत्रालय को सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी पड़ी थी।

दाऊद पर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट का खुलासा,'धुरंधर 2' में दिखाई गई दाऊद की बीमारी 80फीसदी सच,मुंबई में लोग उसके ब्रेसलेट पहनते थे

मुंबई। मुंबई पुलिस के सबसे चर्चित और तेजतर्रार पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा इन दिनों अपनी जिंदगी पर बनने वाली आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। 90 के दशक में मुंबई को अंडरवर्ल्ड के खौफ से आजाद कराने में उनकी अहम भूमिका रही है। प्रदीप शर्मा ने पुलिस महकमे के कड़वे सच, अपनी जिंदगी के उतार-चढ़ाव और राजनीति को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने दाऊद इब्राहिम के बॉलीवुड में खौफ और उसकी वर्तमान स्थिति पर भी की खुलासे किए। आने वाली फिल्म 'अब तक 112' पर भी सवाल जवाब के माध्यम से बात की। सवालः एक प्रोफेसर के बेटे के मन में पुलिस बनने का ख्याल कैसे आया? जवाबः मेरे पिता थूलिया के कॉलेज में अंग्रेजी के प्रोफेसर और वाइस प्रिंसिपल थे। वो चाहते थे कि मैं प्रोफेसर या साइंटिस्ट बनूं। मैंने एमएससी तक पढ़ाई भी की। लेकिन हमारे घर के पास एक पुलिस इंस्पेक्टर रहने आए थे। जब मैं छोटा था, उन्हें बुलेट पर यूनिफॉर्म और गॉगल पहनकर जाते देखता था। बस, वहीं से वर्दी के प्रति एक आकर्षण और लगाव पैदा हो गया। मुझे रूटीन वाली जिंदगी पसंद नहीं थी, इसलिए मैंने यह रास्ता चुना। सवालः 90 के दशक की मुंबई कैसी थी, जिसके खौफ की कहानियां आज भी सुनी जाती हैं? जवाबः उस समय मुंबई पर दाऊद इब्राहिम, छोटा राजन, अरुण गवली और अमर नाइक जैसे गैंगस्टर्स की मजबूत पकड़ थी। दिन में तीन-चार शूटआउट आम बात थी। बड़े बिजनेसमैन, पॉलिटिशियंस और फिल्म स्टार्स को जबरन वसूली (एक्सटॉर्शन) के कॉल्स आते थे। आम आदमी का हाल यह था कि अगर कोई मारुति 800 या ओमनी वैन भी खरीदता, तो भाई का फोन आ जाता था। यहां तक कि शादियों और घरों के इंटीरियर डेकोरेशन पर भी गैंगस्टर्स फोन नंबर छोड़ जाते थे कि 'भाई को फोन करो'। दाऊद के नाम के ब्रेसलेट और 'डी' लिखे लॉकेट्स पहने जाते थे। ऐसा डर का माहौल था। सवालः उस खतरनाक दौर में जब आप ऑपरेशन्स पर जाते थे, तो क्या घर में डर का माहौल नहीं होता था? जवाबः वर्दी पहनने के बाद खौफ नहीं लगता। मेरी पत्नी स्वीकृति के पिता एक्स-एयरफोर्स ऑफिसर हैं, जिन्होंने 1965 और 1971 के युद्ध देखे हैं। इसलिए हमारे घर में डर जैसा माहौल कभी नहीं रहा। मेरी पत्नी को पूरा विश्वास था कि मुझे कुछ नहीं होने वाला। सवालः 'धुरंधर' जैसी फिल्मों या सीरीज में दाऊद इब्राहिम को (बड़े साहब) को काफी बीमार दिखाया जाता है। क्या असलियत भी वही है? जवाबः हां बिल्कुल। 'धुरंधर' में जिस तरीके से 'बड़े साहब' (दाऊद इब्राहिम) को बीमार

और उनके हालात को दिखाया गया है, हकीकत में भी वो 80फीसदी वैसा ही है। फिल्मों में थोड़ा-बहुत ड्रामेटाइज तो करना ही पड़ता है, नहीं तो दुनिया उसे देखेगी नहीं; फिर तो डायरेक्टर और प्रोड्यूसर खुद ही अपनी फिल्म थिएटर में बैठकर देखेंगे। लेकिन जहां तक इंसिडेंट्स की बात है, वे सभी रियल इंसिडेंट्स से ही संबंधित हैं, इसलिए जो दिखाया गया है वो पूरी तरह फैक्ट (सच) है। सवालः उस दौर में बॉलीवुड और अंडरवर्ल्ड के तालमेल को आपने बहुत करीब से देखा, वो क्या था? जवाबः उस समय फिल्म इंडस्ट्री में बहुत डर था। एक्टर्स का चेहरा ही सब कुछ होता है, और गैंगस्टर्स सीधे धमकी देते थे कि 'मुंह पर तेजाब फेंक दूंगा'। बेचारे डर के मारे वही करते थे जो अंडरवर्ल्ड कहता था। कुछ लोग उनसे मदद भी लेते थे। मैं एंटी-एक्सटॉर्शन सेल में था, तो मेरे पास फिल्म इंडस्ट्री के बहुत से लोग थ्रेट्स (धमकी) की शिकायतें लेकर आते थे और हम उन्हें सॉल्व करते थे। सवालः आपने अपने करियर में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। क्या आपको लगता है कि सिस्टम ईमानदार अफसरों की कद्र नहीं करता? जवाबः यह मैंने हमेशा महसूस किया है, और मेरे जैसे कई पुलिस ऑफिसर्स इसे झेलते हैं। इस सिस्टम में इंस्पेक्टरों को 'पेपर नैपकिन' की तरह इस्तेमाल किया जाता है; जब तक जरूरत है इस्तेमाल करो, और रोल खत्म होते ही साइड में फेंक दो। सवालः ऐसा क्यों कह रहे हैं आप, कोई खास वाकया? जवाबः जब जेजे हॉस्पिटल में गैंगस्टर फिरोज कोकनी ने एक हवलदार की छाती में गोली मारकर उसे मार दिया और भाग गया, तो रात के तीन बजे कमिश्नर का फोन आया कि 'प्रदीप, वी हैव टू न्यूट्रलाइज ऑल दिस थिंग्स'। हम जान पर खेलकर पीछे लगे और 8-10 दिन में आरोपियों को ढेर कर दिया।

जूनियर एनटीआर हुए 43 के, दादा सीएम, पापा साउथ सुपरस्टार थे,भाई-पिता की मौत अलग-अलग समय एक ही तरीके से हुई

चेन्नई। जूनियर एनटीआर आज टॉलीवुड ही नहीं, पूरे भारतीय सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाते हैं। दादा एन. टी. रामा राव की फिल्मी विरासत संभालने वाले जूनियर एनटीआर ने 13 साल की उम्र में नेशनल अवॉर्ड जीता था। कभी लुक्स और वजन को लेकर ट्रोल हुए, तो कभी उनकी एक झलक पाने के लिए लाखों फैंस उमड़ पड़े। 'अंधरावाला' के ऑडियो लॉन्च में कथित तौर पर 10 लाख लोग पहुंचे थे। जूनियर एनटीआर की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही। उनकी शादी उस दौर की सबसे महंगी सेलिब्रिटी शादियों में गिनी गई, जिसमें करीब 100 करोड़ रुपए खर्च होने की रिपोर्ट्स थीं। 2009 में चुनाव प्रचार से लौटते वक्त वह भयानक सड़क हादसे का शिकार हुए और मौत को करीब से देखा। भाई और पिता की सड़क हादसों में मौत ने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया और वह फिल्मों से दूर हो गए। लेकिन चार साल बाद आरआरआर से ऐसा कमबैक किया कि ग्लोबल स्टार बन गए। उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ किस्से- दादा की विरासत, राजनीति का दबदबा- जूनियर एनटीआर आज पैन-इंडिया सुपरस्टार हैं, लेकिन उनकी पहचान सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रही। वह तेलुगु सिनेमा और आंध्र प्रदेश की राजनीति के प्रभावशाली परिवार से आते हैं। उनके दादा एनटीआर (एन. टी. रामा राव) सुपरस्टार अभिनेता होने के साथ तेलुगु देशम पार्टी के संस्थापक और आंध्र प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री भी रहे। एनटीआर ने 1943 में बसवतारकम से शादी की थी। दोनों के 12 बच्चे हुए, जिनमें 8 बेटे और 4 बेटियां थीं। बाद में यही परिवार तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री और राजनीति में बेहद ताकतवर माना जाने लगा। परिवार के कई सदस्य बड़े राजनीतिक और फिल्मी नाम बने। एनटीआर के बेटेः फिल्मों, राजनीति और बिजनेस में दबदबा-एनटीआर के बेटों में सबसे चर्चित नाम नंदमूरी हरिकृष्ण और नंदमूरी बालकृष्ण रहे। हरिकृष्ण अभिनेता होने के साथ टीडीपी के बड़े नेता और राज्यसभा सांसद रहे। वहीं नंदामूरी बालकृष्ण तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार हैं और राजनीति में सक्रिय हैं। परिवार के अन्य बेटे भी अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रहे। नंदमूरी रामकृष्ण सीनियर फिल्म निर्माण और प्रोडक्शन गतिविधियों से जुड़े रहे। नंदामूरी जयकृष्ण फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन और बिजनेस संभालते रहे। नंदामूरी साईकृष्ण व्यावसायिक कामकाज से जुड़े रहे। नंदमूरी मोहनकृष्ण फिल्म और बिजनेस नेटवर्क का हिस्सा रहे। नंदामूरी हरिनाथ सार्वजनिक जीवन से अपेक्षाकृत दूर रहे। नंदमूरी रामकृष्ण जूनियर पारिवारिक फिल्म और बिजनेस गतिविधियों में सक्रिय रहे। अगली पीढ़ी में जूनियर एनटीआर, कल्याण राम और दूसरे कलाकारों ने फिल्मों में नाम कमाया। बेटियां भी बड़े राजनीतिक परिवारों से जुड़ीं- एनटीआर की बेटियां भी राजनीति और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहीं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहीं। भुवनेश्वरी नारा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की पत्नी हैं। लोकेश्वरी सामाजिक और पारिवारिक गतिविधियों में सक्रिय रहीं। उमा महेश्वरी परिवार का हिस्सा रहीं और समय-समय पर चर्चाओं में रहीं। इसी वजह से एन. टी. रामा राव परिवार को आंध्र प्रदेश का सबसे प्रभावशाली राजनीतिक-फिल्मी परिवार माना जाता है। दूसरी शादी और परिवार में बढ़ा राजनीतिक विवाद-बसवतारकम के निधन के बाद एनटीआर ने 1993 में लक्ष्मी पार्वती से दूसरी शादी की थी। लक्ष्मी पार्वती लेखिका थीं और एनटीआर की जीवनी लिखने के दौरान दोनों करीब आए थे। इस शादी से उनकी कोई संतान नहीं हुई। यह रिश्ता काफी विवादों में रहा और परिवार के कई सदस्य इसके

खिलाफ थे। बाद में परिवार और पार्टी के भीतर बड़ा राजनीतिक संघर्ष हुआ। एनटीआर के निधन के बाद लक्ष्मी पार्वती ने अलग पार्टी बनाई, लेकिन उन्हें ज्यादा राजनीतिक सफलता नहीं मिली। जूनियर एनटीआर किसके बेटे हैं? जूनियर एनटीआर, एनटीआर (एन. टी. रामा राव) के बेटे नंदामूरी हरिकृष्ण और शालिनी भास्कर राव के बेटे हैं। वह एनटीआर और उनकी पहली पत्नी बसवतारकम की फैमिली लाइन से पोते हैं। जूनियर एनटीआर के पिता नंदामूरी हरिकृष्ण ने दो शादियां की थीं। 2009 में चुनाव प्रचार से लौटते वक्त वह भयानक सड़क हादसे का शिकार हुए और मौत को करीब से देखा। भाई और पिता की सड़क हादसों में मौत ने उन्हें अंदर तक तोड़ दिया और वह फिल्मों से दूर हो गए। लेकिन चार साल बाद आरआरआर से ऐसा कमबैक किया कि ग्लोबल स्टार बन गए। उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ किस्से- दादा की विरासत, राजनीति का दबदबा- जूनियर एनटीआर आज पैन-इंडिया सुपरस्टार हैं, लेकिन उनकी पहचान सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रही। वह तेलुगु सिनेमा और आंध्र प्रदेश की राजनीति के प्रभावशाली परिवार से आते हैं। उनके दादा एनटीआर (एन. टी. रामा राव) सुपरस्टार अभिनेता होने के साथ तेलुगु देशम पार्टी के संस्थापक और आंध्र प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री भी रहे। एनटीआर ने 1943 में बसवतारकम से शादी की थी। दोनों के 12 बच्चे हुए, जिनमें 8 बेटे और 4 बेटियां थीं। बाद में यही परिवार तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री और राजनीति में बेहद ताकतवर माना जाने लगा। परिवार के कई सदस्य बड़े राजनीतिक और फिल्मी नाम बने। एनटीआर के बेटेः फिल्मों, राजनीति और बिजनेस में दबदबा-एनटीआर के बेटों में सबसे चर्चित नाम नंदमूरी हरिकृष्ण और नंदमूरी बालकृष्ण रहे। हरिकृष्ण अभिनेता होने के साथ टीडीपी के बड़े नेता और राज्यसभा सांसद रहे। वहीं नंदामूरी बालकृष्ण तेलुगु फिल्मों के सुपरस्टार हैं और राजनीति में सक्रिय हैं। परिवार के अन्य बेटे भी अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रहे। नंदमूरी रामकृष्ण सीनियर फिल्म निर्माण और प्रोडक्शन गतिविधियों से जुड़े रहे। नंदामूरी जयकृष्ण फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन और बिजनेस संभालते रहे। नंदामूरी साईकृष्ण व्यावसायिक कामकाज से जुड़े रहे। नंदमूरी मोहनकृष्ण फिल्म और बिजनेस नेटवर्क का हिस्सा रहे। नंदामूरी हरिनाथ सार्वजनिक जीवन से अपेक्षाकृत दूर रहे। नंदमूरी रामकृष्ण जूनियर पारिवारिक फिल्म और बिजनेस गतिविधियों में सक्रिय रहे। अगली पीढ़ी में जूनियर एनटीआर, कल्याण राम और दूसरे कलाकारों ने फिल्मों में नाम कमाया। बेटियां भी बड़े राजनीतिक परिवारों से जुड़ीं- एनटीआर की बेटियां भी राजनीति और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहीं। दग्गुबाती पुरंदेश्वरी भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहीं। भुवनेश्वरी नारा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की पत्नी हैं। लोकेश्वरी सामाजिक और पारिवारिक गतिविधियों में सक्रिय रहीं। उमा महेश्वरी परिवार का हिस्सा रहीं और समय-समय पर चर्चाओं में रहीं। इसी वजह से एन. टी. रामा राव परिवार को आंध्र प्रदेश का सबसे प्रभावशाली राजनीतिक-फिल्मी परिवार माना जाता है। दूसरी शादी और परिवार में बढ़ा राजनीतिक विवाद-बसवतारकम के निधन के बाद एनटीआर ने 1993 में लक्ष्मी पार्वती से दूसरी शादी की थी। लक्ष्मी पार्वती लेखिका थीं और एनटीआर की जीवनी लिखने के दौरान दोनों करीब आए थे। इस शादी से उनकी कोई संतान नहीं हुई। यह रिश्ता काफी विवादों में रहा और परिवार के कई सदस्य इसके खिलाफ थे। बाद में परिवार और पार्टी के भीतर बड़ा राजनीतिक संघर्ष हुआ। एनटीआर के निधन के बाद लक्ष्मी पार्वती ने अलग पार्टी बनाई, लेकिन उन्हें ज्यादा राजनीतिक सफलता नहीं मिली। जूनियर एनटीआर किसके बेटे हैं? जूनियर एनटीआर, एनटीआर (एन. टी. रामा राव) के बेटे नंदामूरी हरिकृष्ण और शालिनी भास्कर राव के बेटे हैं। वह एनटीआर और उनकी पहली पत्नी बसवतारकम की फैमिली लाइन से पोते हैं। जूनियर एनटीआर के पिता नंदामूरी हरिकृष्ण ने दो शादियां की थीं। उनकी पहली पत्नी लक्ष्मी कुमारी थीं, जिनसे कल्याण राम, जनकी राम और सुहासिनी हुए। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक, हरिकृष्ण की दूसरी शादी से परिवार में नाराजगी थी और दादा एन. टी. रामा राव शुरुआत में इस रिश्ते से खुश नहीं थे। हालांकि, जूनियर एनटीआर के जन्म के बाद उन्होंने शालिनी को परिवार में स्वीकार किया और अपने पोते को अपना नाम दिया।परिवार में जूनियर एनटीआर को प्यार से 'तारक' कहा जाता है। बाद में दादा एनटीआर ने अपने नाम से जोड़कर उनका पूरा नाम 'नंदामूरी तारक रामा राव' रखा। यहीं से वह 'जूनियर एनटीआर' के नाम से मशहूर हुए। जूनियर एनटीआर के पिता हरिकृष्ण फिल्मों और राजनीति दोनों में सक्रिय रहे। वह टीडीपी के बड़े प्रचारक माने जाते थे और चुनावी रैलियों में भारी भीड़ जुटाते थे। यही लोकप्रियता बाद में जूनियर एनटीआर में भी दिखाई दी। 8 साल की उम्र में दादा की फिल्म से किया डेब्यू- जूनियर एनटीआर का जन्म 20 मई 1983 को हुआ था। उन्होंने छोटी उम्र में फिल्मों में काम शुरू कर दिया था। महज 8 साल की उम्र में 'ब्रह्मऋषि विश्वामित्र' से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट डेब्यू किया। यह फिल्म उनके दादा एनटीआर ने निर्देशित की थी। फिल्म में उन्होंने राजा भरत का किरदार निभाया था। स्कूल की पढ़ाई के साथ उन्होंने कुचिपुड़ी डांस की ट्रेनिंग ली, जिसने उनकी डांसिंग स्टाइल को अलग पहचान दिलाई। 13 साल की उम्र में मिला नेशनल अवॉर्ड- जूनियर एनटीआर की दूसरी बड़ी फिल्म 'रामायणम' थी। इसमें उन्होंने भगवान श्रीराम का किरदार निभाया था। उस समय उनकी उम्र करीब 14 साल थी। फिल्म को सर्वश्रेष्ठ बाल फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना उनके करियर की बड़ी उपलब्धि माना गया। उसी दौर में इंडस्ट्री को एहसास हो गया था कि वह आगे चलकर बड़े स्टार बनेंगे। 18 साल की उम्र में बने लीड हीरो-साल 2001 में जूनियर एनटीआर ने 'निनु चूडालानी' से बतौर लीड एक्टर डेब्यू किया। हालांकि उन्हें असली पहचान 'स्टूडेंट नंबर 1' से मिली। यह 'एस.एस राजामौली' की पहली डायरेक्टोरियल फिल्म भी थी। फिल्म सुपरहिट रही और यहीं से राजामौली और जूनियर एनटीआर की सफल जोड़ी शुरू हुई। बाद में दोनों ने 'सिम्हाद्री', 'यमदोंगा' और 'आरआरआर' समेत 4 फिल्मों में काम किया। चारों फिल्में सुपरहिट रहीं। 'आदि' और 'सिम्हाद्री' ने बना दिया मास हीरो- 'आदि' और 'सिम्हाद्री' की सफलता ने जूनियर एनटीआर को युवाओं के बीच सुपरस्टार बना दिया। उनकी डायलॉग डिलीवरी, डांस और एनर्जी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। डायरेक्टर्स बताते हैं कि जूनियर एनटीआर लंबे तेलुगु डायलॉग्स बिना कट के एक ही टेक में बोल देते हैं। उनकी मेमोरी तेज मानी जाती है और यही वजह है कि उन्हें टॉलीवुड का दमदार परफॉर्मर माना जाता है। 'अंधरावाला' के ऑडियो लॉन्च में पहुंचे 10 लाख लोग- 5 दिसंबर 2003 को फिल्म 'अंधरावाला' के ऑडियो लॉन्च इवेंट में कथित तौर पर करीब 10 लाख लोग पहुंचे थे। यह कार्यक्रम निम्माकुरु गांव में हुआ था, जो जूनियर एनटीआर के दादा एनटीआर का जन्मस्थान है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इतनी भीड़ संभालने के लिए सरकार को 10 स्पेशल ट्रेनें चलानी पड़ी थीं। उस समय जूनियर एनटीआर की उम्र 20-21 साल थी। बाद में उन्होंने द कपिल शर्मा शो में भी इस घटना का जिक्र किया था। यह आज भी टॉलीवुड इतिहास की सबसे बड़ी फैन गैदरिंग्स में गिना जाता है। मोटापे के कारण ट्रोल हुए, फिर किया जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन-करियर की शुरुआत में जूनियर एनटीआर को वजन और लुक्स को लेकर ट्रोल किया गया। खासतौर पर फिल्म 'राखी' के दौरान उनका वजन करीब 100 किलो तक पहुंच गया था। इसके बाद उन्होंने खुद पर मेहनत शुरू की और 'यमदोंगा' के लिए करीब 20 किलो वजन घटाया। फिल्म सुपरहिट रही और उनका नया लुक भी पसंद किया गया।

एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी यह फिल्म बाद में हिंदी में 'लोक परलोक' और तमिल में 'विजयन' नाम से डब कर रिलीज की गई। इसके बाद 'बादशाह', 'टेम्पर', 'जनता गैरेज' और 'अरविंद समेथा वीरा राघवा' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग ट्रांसफॉर्मेशन दिखाए। 'अरविंद समेथा वीरा राघवा' में वह पहली बार 6 पैक एब्स में नजर आए। साल 2009 में जूनियर एनटीआर ने तेलुगु देशम पार्टी के लिए चुनाव प्रचार किया था। उनकी सभाओं में भारी भीड़ उमड़ती थी और उन्हें पार्टी का भविष्य माना जाता था।27 मार्च 2009 को नलगोंडा जिले के पास उनकी कार का गंभीर एक्सीडेंट हुआ। हादसा इतना भयानक था कि वह एसयूवी से बाहर जा गिरे थे। उन्हें गंभीर चोटें आईं और लंबे समय तक इलाज चला। इसके बाद उन्होंने राजनीति से दूरी बना ली। 100 करोड़ की शादी बनी थी चर्चा-जूनियर एनटीआर ने 5 मई 2011 को लक्ष्मी प्रणति से हैदराबाद में भव्य समारोह में शादी की थी। जूम टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, इस शादी में करीब 100 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। लक्ष्मी प्रणति बिजनेसमैन नार्ने श्रीनिवास राव और नार्ने मल्लिका की बेटी हैं। मल्लिका, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की भतीजी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस रिश्ते को तय कराने में चंद्रबाबू नायडू की अहम भूमिका रही थी। 18 करोड़ का मंडप बना, सुरक्षा के लिए भारी इंतजाम किए गए थे. रिपोर्ट्स के अनुसार, जूनियर एनटीआर की शादी के लिए करीब 18 करोड़ रुपए की लागत से विशाल मंडप तैयार किया गया था। मंडप को पारंपरिक दक्षिण भारतीय मंदिर शैली में सजाया गया था और इसके निर्माण में कई दिनों तक काम चला था। शादी में फिल्म इंडस्ट्री, बिजनेस और राजनीति जगत की बड़ी हस्तियां शामिल हुई थीं। भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए थे। यह समारोह उस समय की सबसे चर्चित सेलिब्रिटी शादियों में गिना गया था। 1 करोड़ की साड़ी पहनकर दुल्हन बनी थीं लक्ष्मी प्रणति-शादी में सबसे ज्यादा चर्चा लक्ष्मी प्रणति की लाल कांजीवरम साड़ी की हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसकी कीमत करीब 1 करोड़ रुपए बताई गई थी। कहा जाता है कि शादी के बाद इस साड़ी को दान कर दिया गया था। जूनियर एनटीआर और लक्ष्मी प्रणति के दो बेटे अभय राम और भार्गव राम हैं। एक्टर की पत्नी लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं और बहुत कम सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आती हैं। भाई और पिता की मौत ने तोड़ दिया था परिवार-2014 में जूनियर एनटीआर के बड़े भाई जानकी राम की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद अगस्त 2018 में उनके पिता नंदामूरी हरिकृष्ण का भी रोड एक्सीडेंट में निधन हो गया। पिता के अंतिम संस्कार के दौरान जूनियर एनटीआर खुद को संभाल नहीं पा रहे थे। वे इतने बदहवास हो चुके थे कि सौतेले भाई कल्याण ने पिता को मुखाग्नि दी। इन घटनाओं ने जूनियर एनटीआर को अंदर तक तोड़ दिया था। पिता की मौत के बाद उन्होंने फिल्मों से लंबा ब्रेक लिया। 'आरआरआर' से बने ग्लोबल स्टार- चार साल बाद जूनियर एनटीआर ने 2022 में आरआरआर से दमदार वापसी की। फिल्म में उनके निभाए कोमाराम भीम के किरदार को दुनियाभर में पसंद किया गया। फिल्म के गाने 'नाटू नाटू' ने ऑस्कर जीतकर इतिहास रचा। इसके बाद जूनियर एनटीआर की लोकप्रियता पूरी दुनिया तक पहुंच गई। इस फिल्म की सफलता के बाद उन्होंने 'देवाराः पार्ट 1' और 'वॉर 2' में काम किया। लग्जरी कारों के शौकीन, सभी नंबर '999'-जूनियर एनटीआर को नंबर 9 पसंद है और वह इसे अपना लकी नंबर मानते हैं। यही वजह है कि उनकी ज्यादातर लग्जरी कारों के नंबर 999 होते हैं। उनके कार कलेक्शन में पोर्श 718 केमन, रेंज रोवर और लैंबोर्गिनी यूरस जैसी महंगी गाड़ियां शामिल हैं। राजनीति से दूरी, फिल्मों पर पूरा फोकस- इतने बड़े राजनीतिक परिवार से आने के बावजूद जूनियर एनटीआर ने अब तक सक्रिय राजनीति में एंट्री नहीं की है। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में जूनियर एनटीआर ने कहा था कि राजनीति बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और फिलहाल उनका पूरा ध्यान फिल्मों पर है। सामाजिक कार्यों में भी आगे रहते हैं जूनियर एनटीआर-जूनियर एनटीआर फिल्मों के अलावा सामाजिक कार्यों से भी जुड़े रहे हैं। वह समय-समय पर शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा राहत अभियानों में मदद करते रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान उन्होंने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री राहत कोष में आर्थिक सहायता दी थी। इसके अलावा फिल्म इंडस्ट्री के जरूरतमंद वर्कर्स और फैंस की मदद करते रहते हैं। खास बात यह है कि जूनियर एनटीआर अपने सामाजिक कार्यों का ज्यादा प्रचार नहीं करते हैं।

बॉयफ्रेंड बचपन के दोस्त से इनसिक्योर है,कहता है, दोस्ती तोड़ लो, मुझे दोस्ती और प्यार दोनों चाहिए, क्या करूं

नोएडा। सवाल- मेरी उम्र 23 साल है। मैं एक रिलेशनशिप में

हूं। हमने साथ में अच्छा समय बिताया है, लेकिन पिछले कुछ समय से सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। प्रॉब्लम ये है कि मेरा पार्टनर मेरे एक बचपन के दोस्त को लेकर बहुत इनसिक्योर फील करता है। वह मुझसे बार-बार कहता है कि मुझे उसमें और अपने दोस्त में से किसी एक को चुनना होगा। मेरे लिए यह स्थिति बहुत मुश्किल है। मैं न तो अपने पार्टनर को खोना चाहती हूं और न ही अपने बचपन के दोस्त को छोड़ना चाहती हूं। मैं उसे कैसे समझाऊं और इस सिचुएशन को कैसे संभालूं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- सबसे पहले सवाल पूछने के लिए आपका शुक्रिया। यह एक कॉमन सिचुएशन है। आपके सवाल से कई लोगों को अपनी सिचुएशन समझने और हैंडल करने में मदद मिलेगी। चलिए अब इसे समझते हैं और उसके सॉल्यूशन पर बात करते हैं। ट्रस्ट और इनसिक्योरिटी का सवाल- यह सिर्फ दोस्त और पार्टनर के बीच चुनाव का सवाल नहीं है, बल्कि ट्रस्ट और इनसिक्योरिटी का सवाल है।अगर पार्टनर कहता है कि 'मुझे या दोस्त' में से किसी एक को चुनो तो यह अल्टीमेटम जैसा है। इससे मन में 'द्वंद' (दोहरे विचार) पैदा हो सकते हैं। इसलिए इसे हैंडल करने में आपको मुश्किल हो रही है। इस स्थिति में मन में क्या सवाल आते हैं, यह इनसिक्योरिटी है या कंट्रोल? पार्टनर का यह कहना कि 'किसी एक को चुनो' तो एक तरह का इमोशनल कंट्रोल या गहरे डर का संकेत है। ऐसा व्यवहार अक्सर उन लोगों में दिखता है, जिन्हें 'छोड़ दिए जाने का डर' होता है। पार्टनर ऐसा क्यों बिहेव कर रहा है, हेल्दी रिश्ते की क्या पहचान है? एक मेच्योर रिलेशनशिप में 'मैं' से ज्यादा 'हम' मायने रखता है। इसमें दोनों एक-दूसरे की अलग पहचान (व्यक्तित्व) को स्वीकार करते हैं। वे एक-दूसरे को बदलने

की कोशिश नहीं करते, बल्कि समझते हैं। साथ रहते हुए भी अपनी सोच और पसंद को महत्व देते हैं। ऐसा रिश्ता भरोसा, बराबरी और समझ पर टिका होता है। प्यार के नाम पर पार्टनर का कंट्रोलिंग बिहेवियर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कुछ संकेत स्पष्ट तौर पर 'रेड फ्लैग' होते हैं। इस स्थिति में सबसे जरूरी संतुलन और क्लैरिटी रखना है। पार्टनर की इनसिक्योरिटी को समझना जरूरी है, लेकिन किसी भी रिश्ते में 'दोस्ती और प्यार में एक चुनने' या सिर्फ इस बात से कि वह एक लड़का है? अगर इसके बाद भी उसमें कोई सुधार नहीं दिख रहा है तो आपको रिश्ते के बारे में अच्छे से सोचने की जरूरत है। रिश्ते में न करें ये कॉम्प्रोमाइज-रिलेशनशिप में कुछ कॉम्प्रोमाइज होते हैं। आप अपने-सोने जागने का समय बदल सकते हैं। अपनी हॉबीज बदल सकते हैं, लेकिन ये तीन चीजें कॉम्प्रोमाइज नहीं करनी चाहिए- सेल्फ रिस्पेक्ट, पर्सनल स्पेस,ह्यूमन डिग्निटी (मानवीय गरिमा) कोई फैसला लेने से खुद से पूछें सवाल-ऐसी स्थिति में भावनाओं में बहकर तुरंत निर्णय लेना सही नहीं होता। थोड़ा ठहरकर अपनी जरूरतों, सीमाओं और रिश्ते की वास्तविक स्थिति को समझना जरूरी है। खुद से सही सवाल पूछने पर यह स्पष्ट होगा कि आपके लिए क्या सही है। हर रिश्ते में कुछ समझौते होते हैं, लेकिन समझौते और अलग और बेहद खास है। कई बार पार्टनर को लगता है कि उसे 'इग्नोर' किया जा रहा है। उसके साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और यह महसूस कराएं कि आपके जीवन में उसकी खास अहमियत है। दोस्त और अपने बीच कुछ सीमाएं तय करें। जैसे, पार्टनर के सामने घंटों दोस्त से बात न करें या पार्टनर के साथ डेट के वक्त दोस्त के कॉल न उठाएं। इससे पार्टनर को सुरक्षित महसूस होगा। उससे पूछें, 'तुम्हें डर किस बात का है?' क्या उसे दोस्त के व्यवहार से दिक्कत है खुलकर बात करें। उन्हें भरोसा दिलाएं, साथ ही यह भी स्पष्ट करें कि आपकी दोस्ती आपकी जिंदगी का हिस्सा है। इसके कुछ पॉइंट्स डिटेल में समझें-पार्टनर को समझाएं कि दोस्त आपके जीवन का अहम हिस्सा है, लेकिन उसकी (पार्टनर) जगह

है तो वह आपके व्यक्तित्व को कंट्रोल करना चाहता है। निष्कर्ष- रिश्ते में आपसी समझ और 'स्पेस' बहुत जरूरी हैं। अपने पार्टनर को विश्वास दिलाएं, लेकिन अपनी डिग्निटी (गरिमा) की कीमत पर नहीं। याद रखें, जो व्यक्ति आपको सच में प्यार करता है, वह आपको कभी भी ऐसी स्थिति में नहीं डालेगा, जहां आपको प्यार और दोस्ती के बीच चुनाव करना पड़े।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।